RNI-UPHIN/2009/30721

सोमवार 16 जून 2025
सुर्योदय प्रात: 05 :23 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 21 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 जनकल्याणकारी योजनाओं से बनी समृद्धि

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 241 | गाजियाबाद, सोमवार 16 जून 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

शाह ने जनगणना तैयारियों की समीक्षा की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

देश में जनगणना कराने की अधिसूचना जारी किये जाने से एक दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां केंद्रीय गृह सचिव, महापंजीयक और जनगणना आयुक्त तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आगामी जनगणना की तैयारियों की समीक्षा की। जनगणना कराने की अधिसूचना सोमवार को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी।

गृह मंत्रालय के अनुसार जनगणना दो चरणों में की जाएगी। पहले चरण यानी घरों की सूची तैयार करने के ऑपरेशन (एचएलओ) में प्रत्येक घर की आवासीय स्थिति, संपत्ति और सुविधाओं का विवरण एकत्र किया जाएगा।

इसके बाद, दूसरे चरण यानी जनसंख्या गणना (पीई) में प्रत्येक घर में प्रत्येक व्यक्ति की जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और अन्य जानकारी एकत्र की जाएगी। जनगणना में जाति गणना भी की जाएगी।

जनगणना गतिविधियों के लिए लगभग 34 लाख गणनाकार और पर्यवेक्षक तथा लगभग एक लाख 30 हजार जनगणना कार्यकर्ता तैनात किए जाएंगे। यह जनगणना शुरू से अब तक की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना है।

आगामी जनगणना मोबाइल एप्लीकेशन का उपयोग करके डिजिटल माध्यम से की जाएगी। लोगों को स्व-गणना का प्रावधान भी उपलब्ध कराया जाएगा। संग्रह, प्रेषण और भंडारण के समय डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बहुत कड़े डेटा सुरक्षा उपाय लागू किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी क्या मणिपुर यात्रा के लिए 'करुणा' नहीं जुटा सकते : कांग्रेस

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। कांग्रेस ने तीन देशों की यात्रा को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए रविवार को कहा कि उनके पास ऐसी यात्राओं के लिए तीन ई यानी 'एनर्जी' (ऊर्जा), 'एक्साइटमेंट' (उत्साह) और 'एंथूसिएजम' (जोश) हैं पर क्या वह मणिपुर के लोगों की पीड़ा समझने के मकसद से वहां जाने के लिए चौथा 'ई' 'इंपैथ' (करुणा) पैदा नहीं कर सकते।

विपक्षी दल ने यह भी कहा कि मई 2023 के बाद से यह मोदी की 35वीं विदेश यात्रा है वहीं ''मणिपुर के साथ प्रधानमंत्री का इस तरह का रवैया बेहद दुखद है।'' कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा,'' एक समय था जब वह भारत-कनाडा संबंधों की मिसाल देते हुए गर्व से (a+b)▸2 का अलजेब्रा का सूत्र सुनाया करते थे। लेकिन इसके बाद हालात बुरी तरह बिगड़ गए।'' उन्होंने कहा,'' जब ऐसा लगने लगा कि कनाडा भारत को जी-7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित करने को लेकर टालमटोल कर रहा था तब उनके लिए ढोल पीटने वालों ने प्रचारित किया कि प्रधानमंत्री मोदी तो जाएंगे ही नहीं चाहे बुलावा आए या नहीं।

पश्चिम बंगाल में बीएसएफ के जवान ने अपने वरिष्ठ की गोली मारकर हत्या

✷ वेबवार्ता. कोलकाता ✷

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में एक शिविर में बहस के बाद बीएसएफ

के एक जवान ने अपने वरिष्ठ की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या की दी। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

घटना जिले के धुलियान में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के शिविर में शनिवार रात करीब 10:30 बजे हुई। कांस्टेबल शिवम कुमार मिश्रा ने तीखी बहस के बाद अपने वरिष्ठ हेड कांस्टेबल रतन सिंह शेखावत की गोली मारकर हत्या कर दी।

अधिकारियों ने कहा कि आरोपी कांस्टेबल को पकड़ लिया गया है। उन्होंने कहा कि दोनों जवान बीएसएफ की एक इकाई में तैनात थे, जिसे मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुई सांप्रदायिक झड़पों के बाद इलाके में तैनात किया गया था।

अधिकारियों ने कहा कि बीएसएफ ने 'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' का आदेश दिया है और घटना के सटीक कारण पता लगाए जा रहे हैं। 56 वर्षीय शेखावत 1989 में बीएसएफ में शामिल हुए थे और बल की 119 बटालियन में तैनात थे।

पुणे में इंद्रायणी नदी पर बना पुल गिरा, 25 से ज्यादा लोगों के बहने की आशंका

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷

महाराष्ट्र में पुणे जिले के मावल तालुका स्थित कुंडमाला क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में इंद्रायणी नदी पर बने पुल का आधा हिस्सा अचानक टूटकर गिर गया, जिससे उस वक्त पुल पर खड़े कई लोग नदी में गिर गए।

घटना के समय मौके पर भारी भीड़ थी और शुरुआती जानकारी के मुताबिक 20 से 25 लोग लापता हैं और उनके नदी में बहने की आशंका जताई जा रही है।

आधिकारिक तौर पर इस घटना में पांच लोगों के मरने की पुष्टि की गयी है जबकि कई के बहने की आशंका जताई गई है। वहीं रेस्क्यू टीम ने पांच से छह लोगों को बचाया है। बताया जाता है कि यह दुर्घटना रविवार अपराह्न लगभग 3:40 बजे की है। जब पुल का एक हिस्सा टूटा, तो कुछ लोग नीचे मौजूद पत्थरों पर जा गिरे और उन्हें गंभीर चोटें आईं। वहीं कई लोग सीधे नदी की तेज धारा में बह गए। नदी में बहाव काफी तेज होने के कारण राहत कार्य में भी दिक्कतें आ रही हैं।

ये वही पुल था जिससे कुंडमाला क्षेत्र को पार किया जाता था। पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत आने वाली तलेगांव दाभाड़े पुलिस घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कर दिया गया है। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और स्थानीय गोताखोरों को भी राहत और बचाव कार्य के लिए बुलाया गया है।

रविवार को छुट्टी होने की वजह से बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और पर्यटक कुंडमाला क्षेत्र घूमने आए थे। कुछ लोग उस समय पुल पर खड़े होकर फोटो ले रहे थे और दृश्य का आनंद ले रहे थे, जब पुल का एक हिस्सा भरभराकर गिर पड़ा। यह हादसा अचानक हुआ और लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुल की हालत लंबे समय से खराब थी और इसकी शिकायतें प्रशासन तक पहले भी पहुंची थीं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

बच्चों के रोचक तरीके से मलयालम सीखने के लिए नई किताब

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। हाल में प्रकाशित बच्चों की एक सचित्र पुश्तक केरल के शानदार परिदृश्यों में रोचक साहसिक कार्य के माध्यम से मलयालम स्वरों को सीखना अधिक मजेदार और सुलभ बनाती है। आदिदेव प्रेस द्वारा प्रकाशित 'डेविना फाइंड्स हर वॉवेल्स' युवा डेविना की यात्रा को बयां करती है, जब वह केरल में अपने गृहनगर के माध्यम से एक साहसिक यात्रा पर निकलती है। राश्ते में, वह अप्रत्याशित और रचनात्मक तरीकों से मलयालम स्वरों की खोज करती है- साइनबोर्ड और खेल के मैदानों से लेकर बस टिकट, खानपान की पर्चियों और आदि तक।

पंजाब एसबीएस नगर पुलिस चौकी पर ग्रेनेड हमला मामले में तीन लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पंजाब के एसबीएस नगर जिले में एक पुलिस चौकी पर ग्रेनेड हमले से संबंधित 2024 के एक मामले में शनिवार को तीन आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया, जिसमें प्रतिबंधित खालिश्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) आतंकवादी संगठन द्वारा एक बड़ी साजिश का पता लगाया गया है। युगप्रीत सिंह उर्फ युवी निहंग, जसकरन सिंह उर्फ शाह और हरजोत सिंह उर्फ जोत हुंदल पर यूएपीए, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और अन्य संबंधित प्रावधानों की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। सभी आरोपी एसबीएस नगर के राहोन गांव के रहने वाले हैं।

केदारनाथ हेलीकॉप्टर क्रैश पर प्रियंका गांधी ने जताया दुख

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। उत्तराखंड के केदारनाथ में हुए हेलीकॉप्टर हादसे पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने दुख जताया। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं। प्रियंका गांधी ने राज्य सरकार से अपील करते हुए कहा कि सुरक्षा मानकों की गहन समीक्षा हो और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "गौरीकुंड, उत्तराखंड में हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटना में सात लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। भगवान केदारनाथ दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें। शोक-संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। चारधाम यात्रा शुरू होने के बाद से यह 5वीं हेलीकॉप्टर दुर्घटना है। राज्य सरकार से अपील है कि सुरक्षा मानकों की गहन समीक्षा हो और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।"

पुल ढहने की घटना में मृतकों के परिवार को पांच-पांच लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा

✷ **वेबवार्ता. मुंबई** ✷। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को पुणे जिले के तालेगांव के पास इंद्रायणी नदी पर पुल ढहने की घटना में मारे गए लोगों के परिवारों को राज्य सरकार की ओर से पांच-पांच लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान किये जाने की घोषणा की। श्री फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार घायलों के इलाज का खर्च भी वहन करेगी। उन्हांने बताया कि साइप्रस की यात्रा पर गये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी घटना के बारे में फोन पर बात की तथा उन्हें प्रभावित लोगों की सहायता के लिए चल रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी गयी।

लालू यादव को अनुसूचित जाति आयोग ने भेजा नोटिस

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव की मुश्किलें अब बढ़ती दिख रही हैं। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर के अपमान का वीडियो वायरल होने के बाद राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने उन्हें नोटिस भेजा है।

केदारनाथ हेलीकॉप्टर दुर्घटना के बाद एक्शन : पायलटों के लाइसेंस सस्पेंड, कमांड एंड कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उत्तराखंड के केदारनाथ क्षेत्र में रविवार सुबह एक दर्दनाक हेलीकॉप्टर हादसा हुआ, जिसमें आर्यन एविएशन का बेल 407 हेलीकॉप्टर (रजिस्ट्रेशन नंबर वीटी-बीकेए) दुर्घटनाग्रश्त हो गया। इस हेलीकॉप्टर में पांच यात्री, एक बच्चा और चालक दल के एक सदस्य सवार थे।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार, हेलीकॉप्टर ने सुबह 05:10 बजे गुप्तकाशी के आर्यन हेलीपैड से उड़ान भरी और 05:18 बजे श्री केदारनाथ जी हेलीपैड पर लैंड किया। इसके बाद हेलीकॉप्टर ने 05:19 बजे गुप्तकाशी के लिए दोबारा उड़ान भरी, लेकिन लगभग 05:30 से 05:45 के बीच गौरीकुंड के पास दुर्घटनाग्रश्त हो गया।

फिलहाल यह माना जा रहा है कि खराब मौसम और अत्यधिक बादल छाए रहने के बावजूद हेलीकॉप्टर ने उड़ान जारी रखी, जिससे यह 'कंट्रोल्ड फ्लाइट इनटू टेरेन' की स्थिति का शिकार हो गया। हालांकि, हादसे के असली कारणों की पुष्टि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की विश्तृत जांच के बाद ही हो पाएगी। हादसे की सूचना मिलते ही एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया। दुर्गम पहाड़ी इलाका और खराब मौसम राहत कार्य में चुनौतियां खड़ी कर रहे हैं, लेकिन सभी संबंधित एजेंसियां समन्वय के साथ कार्य कर रही हैं।

घटना की गंभीरता को देखते हुए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सुबह 11 बजे एक उच्चश्तरीय बैठक बुलाई, जिसमें नागरिक उड्डयन सचिव, डीजीसीए के अधिकारी और अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए।

बैठक के बाद कई फैसले लिए गए हैं। इनमें सबसे पहले, आर्यन एविएशन की चारधाम यात्रा के तहत सभी उड़ानों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा, ट्रांसभारत एविएशन की दो हेलीकॉप्टर उड़ानों (वीटी-टीबीसी और वीटी-टीबीएफ), जो प्रतिकूल मौसम में उड़ान भर चुकी थीं, के पायलटों के लाइसेंस को छह महीने के लिए निलंबित किया गया है।

साथ ही, केदारनाथ क्षेत्र में 15 और 16 जून को सभी चार्टर व शटल हेलीकॉप्टर उड़ानों को एहतियातन स्थगित कर दिया गया है। इन सबके अलावा, उत्तराखंड सिविल एविएशन डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूसीएडीए) को निर्देश दिया गया है कि वह सभी ऑपरेटरों और पायलटों के साथ बैठक आयोजित कर उड़ानों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल की पूर्ण समीक्षा करे। यूसीएडीए को एक कमांड एंड कंट्रोल रूम स्थापित करने को कहा गया है, जो रीयल-टाइम संचालन की निगरानी करेगा और किसी भी खतरे की स्थिति में तत्काल कार्रवाई करेगा। अंत में, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने डीजीसीए को निर्देशित किया है कि वह सुरक्षा, उड़ान और ऑपरेशन्स से जुड़े अधिकारियों को केदारनाथ घाटी में तैनात करे ताकि उड़ानों की

मोदी 3 देशों की यात्रा पर साइप्रस पहुंचे

✷ वेबवार्ता. साइप्रस ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में आज साइप्रस

पहुंचे जहां राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलिड्स ने स्वयं हवाई अड्डे पर श्री मोदी का स्वागत किया।

श्री मोदी का विशेष विमान भारतीय समयानुसार करीब पांच बजे साइप्रस के लार्नाका अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा जहां उनकी अगवानी के लिए राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलिड्स मौजूद थे। हवाई अड्डे पर बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के लोग भी मौजूद थे।

साइप्रस के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर श्री मोदी 15-16 जून को यहां की आधिकारिक यात्रा पर आए हैं।

श्री मोदी ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में लिखा, "साइप्रस में पहुंच गया हूं। हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत करने के विशेष भाव के लिए साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलिड्स को मेरा आभार व्यक्त किया है। यह यात्रा भारत-साइप्रस संबंधों, विशेष रूप से व्यापार, निवेश और अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण गति प्रदान करेगी।"

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर कहा, "साझा मूल्यों और आकांक्षाओं से युक्त एक विश्वसनीय साझीदारी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साइप्रस में पहुंच गए हैं। गहरे ऐतिहासिक संबंधों को प्रतिबिंबित करने वाले एक विशेष संकेत के रूप में राष्ट्रपति क्रिस्टोडोलिड्स और विदेश मंत्री कॉन्स्टेंटीनोस कॉम्बोस ने हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री का स्वागत किया । द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए व्यापक चर्चाएं होनी हैं।"

शीर्ष अदालत की मंजूरी के बाद भी विभिन्न उच्च न्यायालय तदर्थ जजों की नियुक्ति को लेकर अनिच्छुक

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय द्वारा लगभग पांच महीने पहले मंजूरी दिए जाने के बावजूद विभिन्न उच्च न्यायालय लंबित आपराधिक मामलों से निपटने के लिए तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर इच्छुक नहीं दिख रहे हैं। केंद्र सरकार के पास उपलब्ध विवरण से यह जानकारी मिली है।

उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया से वाकिफ लोगों के मुताबिक, अभी तक किसी भी उच्च न्यायालय के कॉलेजियम ने तदर्थ न्यायाधीश के तौर पर नियुक्त किए जाने वाले सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के नाम की सिफारिश नहीं की है। देश में 25 उच्च न्यायालय हैं, लेकिन 11 जून तक किसी भी उच्च न्यायालय के कॉलेजियम ने केंद्रीय कानून मंत्रालय को ऐसा कोई प्रश्ताव नहीं भेजा है।

उच्चतम न्यायालय ने 18 लाख से ज्यादा आपराधिक मामलों के लंबित रहने को देखते हुए 30 जनवरी को उच्च न्यायालयों को तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति करने की इजाजत दे दी थी, बशर्ते इनकी संख्या अदालत के लिए स्वीकृत कुल न्यायाधीशों के पदों के 10 फीसदी से ज्यादा नहीं हो। संविधान का अनुच्छेद 224ए लंबित मामलों से निपटने में मदद के लिए उच्च न्यायालय में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को तदर्थ न्यायाधीश के तौर पर नियुक्त करने की इजाजत देता है।

तय प्रक्रिया के मुताबिक, संबंधित उच्च न्यायालय का कॉलेजियम उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के तौर पर नियुक्त किए जाने वाले उम्मीदवारों के नाम या सिफारिशें कानून मंत्रालय के न्याय विभाग को भेजता है। इसके बाद न्याय विभाग उम्मीदवारों की जानकारी और विवरण जोड़ता है और फिर उन्हें उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम को भेजता है। इसके बाद उच्चतम न्यायालय का कॉलेजियम अंतिम फैसला लेता है और सरकार को चयनित व्यक्तियों को न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश करता है। राष्ट्रपति नवनियुक्त न्यायाधीश की 'नियुक्ति के वारंट' पर हश्ताक्षर करते हैं।

अस्थायी न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया वही रहेगी, सिवाय इसके कि राष्ट्रपति नियुक्ति पत्र पर हश्ताक्षर नहीं करेंगे। लेकिन अस्थायी न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए राष्ट्रपति की सहमति ली जाएगी।

ब्रिटिश एफ-35 विमान को सुरक्षा कारणों से आपात लैंडिंग की अनुमति दी गई : भारतीय वायुसेना

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

ब्रिटिश एफ-35 लड़ाकू विमान के शनिवार रात केरल के तिरुवनंतपुरम

अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग के बीच भारतीय वायुसेना ने रविवार को कहा कि वह इस बारे में ''पूरी तरह से अवगत'' है और उड़ान सुरक्षा कारणों से विमान को लैंडिंग की सुविधा प्रदान की।

सूत्रों के अनुसार, विमान ने किसी विमानवाहक पोत से उड़ान भरी थी, लेकिन ईंधन कम होने के कारण उसे आपात लैंडिंग करनी पड़ी। उन्होंने बताया कि विमान रात करीब साढ़े नौ बजे सुरक्षित रूप से उतरा।

भारतीय वायुसेना के प्रवक्ता ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, ''एफ-35 के मार्ग परिवर्तन की यह सामान्य घटना है। मामले से भारतीय वायुसेना पूरी तरह से अवगत है और उसने उड़ान सुरक्षा कारणों से विमान को उतारे जाने की सुविधा दी।'' उन्होंने कहा, ''सभी तरह की सहायता दी जा रही है और भारतीय वायुसेना सभी एजेंसियों के साथ समन्वय में है।'' विमान फिलहाल हवाई अड्डे पर है।

राज्यों और PSU के 1,600 उपक्रमों के ऑडिट के लिए अलग इकाई बनाई

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने विभिन्न राज्य सरकारों के लगभग 1,600 सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) की लेखा परीक्षा (ऑडिट) के लिए एक अलग इकाई की स्थापना की है।

संक्षिप्त समाचार

किसी को दोषी बताना ठीक नहीं पर तय हो जवाबदेही: खरगे

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को कहा कि ऐसी त्रासदी के समय किसी को श्रेय लेने की होड़ नहीं करनी चाहिए। अब जब ब्लैक बॉक्स मिल गया है तो देखना होगा कि जांच का नतीजा क्या होता है। मौके पर किसी को दोषी ठहराना ठीक नहीं है। सभी पात्र लोगों को मुआवजा दिया जाना चाहिए। इसके अलावा जो भी जिम्मेदार है, उसकी जवाबदेही भी तय होनी चाहिए... कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे कहा- अहमदाबाद में बहुत दुखद हादसा हुआ है। इतिहास में इस घटना को कोई नहीं भूल पाएगा। इस हादसे में जान गंवाने वालों के प्रति मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं, हम उनके परिवारों के साथ खड़े हैं। मैं इस हादसे में जीवित बचे एकमात्र व्यक्ति के साहस की सराहना करता हूं। ईश्वर से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। खरगे ने आगे कहा- सरकार को विमान दुर्घटना के पीड़ितों के परिजनों को मुआवजा देना चाहिए और जवाबदेही तय करनी चाहिए। यह कहना सही नहीं है कि ऐसी दुर्घटनाएं होती हैं और यह एक सामान्य बात है। ऐसे समय में पूरे देश के लोगों को एक साथ आना चाहिए। मैं पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से अनुरोध करूंगा कि वे लोगों की मदद करते रहें। यदि पीड़ितों को किसी चीज की जरूरत है तो उन्हें उसका भी इंतजाम करना चाहिए। इस बीच केंद्र सरकार ने हादसे के वजहों की जांच के लिए केंद्रीय गृह सचिव की अध्यक्षता में एक हाई लेवल कमेटी गठित की है। कमेटी हादसे की वजह का पता लगाएगी और तकनीक विफलता, मानवीय भूल, मौसम की स्थिति, नियामक अनुपालन एवं अन्य वजहों समेत हादसे में योगदान देने वाले कारणों का आकलन करेगी। पीटीआई-भाषा की रिपोर्ट के मुताबिक, जांचकर्ता दुर्घटना के सभी संभावित कारणों की जांच कर रहे हैं, जिनमें 11 साल पुराने विमान के दोनों इंजनों में थ्रेस्ट की कमी, पक्षियों का टकराना या फ्लैप में समस्या शामिल है।

एमपी के बालाघाट में 3 महिलाओं समेत 4 नक्सली ढेर

बालाघाट, एजेंसी। एमपी के बालाघाट जिले में सुरक्षाबलों ने नक्सल विरोधी अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए 4 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने बताया कि बालाघाट जिले के अंदरूनी क्षेत्रों में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच कल रात से मुठभेड़ जारी थी। इसमें सुरक्षा बलों ने 4 नक्सलियों को मार गिराया। मारे गए नक्सलियों में एक पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। मुठभेड़ स्थल से हथियार भी बरामद हुए हैं। पुलिस मुख्यालय का कहना है कि घटना स्थल पर लगातार बारिश के बीच भी नक्सलनिरोधक अभियान जारी है। बालाघाट नक्सली मुठभेड़ पर मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश मार्च 2026 तक नक्सलवाद को समाप्त करने के संकल्प की दिशा में लगातार काम कर रहा है। बालाघाट में हुई मुठभेड़ में 4 नक्सली मारे गए हैं। सीएम मोहन यादव ने आगे बताया कि मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय का कहना है कि इन नक्सलियों के पास से रॉकेट लॉन्चर समेत कई हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि इस ऑपरेशन में अच्छा प्रदर्शन करने वाले 8 पुलिसकर्मियों को मध्य प्रदेश सरकार जरूर ईनाम देगी। वहीं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को बताया कि उनके राज्य में भी नक्सलियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर ऑपरेशन चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सूबे में और इसके सीमावर्ती इलाकों में नक्सलियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाए जा रहे हैं। इनमें महत्वपूर्ण सफलताएं मिल रही हैं। हेमंत सोरेन और राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शनिवार सुबह ओडिशा-झारखंड सीमा पर नक्सल विरोधी अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट में शहीद सीआरपीएफ की 134वीं बटालियन के एएसआई सत्यभान कुमार सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

8 वीं पास ठगों ने कई राज्यों के अनुभवी व्यापारियों से ठगे लाखों

मुजफ्फरनगर, एजेंसी। यूपी के मुजफ्फरनगर में साइबर क्राइम थाना पुलिस ने फेसबुक पर फल व सब्जी विक्रेता कम्पनी के नाम से फर्जी पेज बनाकर विभिन्न राज्यों में ठगी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी फर्जी तरीके से फेसबुक पर पेज बनाकर लोगों से 50 लाख से अधिक की ठगी कर चुके हैं। उनके खिलाफ विभिन्न राज्यों में धोखाधड़ी के मामले में दर्ज हैं। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों से 4 पासबुक, 3 चैक बुक, 9 सिमकार्ड, 3 मोबाइल व एक लैपटॉप बरामद किया है। सबसे आश्चर्य की बात है कि पकड़े गए दोनों आरोपी आठवीं कक्षा पास हैं।

पुलिस लाइन में प्रेसवार्ता करते हुए एसपी क्राइम इन्दु सिद्धार्थ ने बताया कि गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विकसित आनलाइन पोर्टल प्रतिबिम्ब पर जनपद मुजफ्फरनगर से फेसबुक पर फल व सब्जी विक्रेता कम्पनी के नाम सेपेज बनाकर धोखाधड़ी की शिकायतें मिली थी। शिकायतों की जांच साइबर क्राइम थाना पुलिस द्वारा की गयी। साइबर क्राइम थाना प्रभारी सुल्तान सिंह ने अपनी टीम के साथ खतौली के नहर पटरी से अहमद नवाज निवासी मोहल्ला काजीयान चौक खतौली, हाल जैननगर कस्बा खतौली व अमन निवासी मोहल्ला काजियान खतौली को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों से 4 पासबुक, 3 चैक बुक, 9 सिमकार्ड, 3 मोबाइल व एक लैपटॉप बरामद किया है। यह गिरोह वर्ष 2020 से विभिन्न राज्यों में फर्जी कम्पनियों के जरिये 50 लाख से अधिक की ठगी कर चुके हैं। साइबर क्राइम पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपियों के 12 बैंक खाते पहले से विभिन्न राज्यों की शिकायत पर फ्रीज है। पुलिस ने आरोपियों का चालान कर दिया है। एसपी क्राइम ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों ने फेसबुक पेज पर पांच फर्जी कम्पनियां बनाई थी। एसपी क्राइम ने बताया कि पकड़े गए दोनों आरोपियों ने देश के विभिन्न राज्यों मे लोगों से 50 लाख की ठगी की है। मजे की बात यह कि दोनों आरोपी आठवीं पास हैं। दोनों आरोपी वर्ष 2020 से फल व सब्जी बेचने का काम करते थे। आठवी पास आरोपी बड़े बड़े व्यापारियों को अपना शिकार बनाते थे। साइबर क्राइम थाना प्रभारी सुल्तान सिंह ने बताया गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि फेसबुक पर पांच फर्जी एकाउंट व पेज बनाकर मोबाइल नम्बर प्रदर्शित कर कम दाम पर फल व सब्जियों का विक्रय करने के संबंध में पोस्ट डालते थे। उनके द्वारा मोबाइल नबरों पर विभिन्न राज्यों के व्यापारियों से सम्पर्क किया जाता था।

आगरा में दहशत ! महिला को नदी में खींच ले गया मगरमच्छ, तीन घंटे बाद चंबल से मिला शव

आगरा, एजेंसी। यूपी के आगरा में खेड़ा राठौर के भगवानपुरा गांव में शनिवार सुबह करीब आठ बजे पशुओं को पानी पिला रही महिला सिरोमनी (60) को मगरमच्छ चंबल नदी में खींच ले गया। साथी चरवाहों की चीख पुकार पर पहुंचे ग्रामीण महिला की नदी में तलाश के लिए उतरे और करीब तीन घंटे बाद शव बरामद कर लिया। मौके पर पहुंची पुलिस, प्रशासन और वन विभाग की टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। भगवानपुरा गांव की सिरोमनी पत्नी रामप्रकाश साथी महिला चरवाहों के साथ अपने पशुओं को पानी पिलाने के लिए चंबल नदी पर गई थीं।

पशु चंबल नदी में पानी पी रहे थे। पास में खड़ी सिरोमनी पर अचानक हमला कर मगरमच्छ उनको चंबल नदी में खींचले गया। साथी चरवाहों की चीख पुकार पर पर पहुंचे ग्रामीणों ने सिरोमनी की चंबल नदी में तलाश शुरू कर दी। प्रधान बच्छराज सिंह की सूचना पर पुलिस और वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई। जाल आदि डाल कर महिला की तलाश की तो तीन घंटे बाद शव बरामद हुआ। मृतका के परिवार में मातमी कोहराम मच गया है।

महिला की तलाश में जुटे ग्रामीणों से चौतरफा घिरने के बाद मगरमच्छ नदी के पानी की लहरों के साथ तैरता दिखा तो ऑपरेशन में शामिल लोग डर गए। लेकिन, हमले की दहशत के बाद भी ग्रामीणों ने हिम्मत नहीं हारी। आखिरकार मगरमच्छ को महिला का शव छोड़कर भागने को मजबूर होना पड़ा। नदी किनारे बैठे ग्रामीण अपनी आंखों से डर और दहशत भरा यह मंजर तीन घंटे तक देखते रहे।

गौसिंली में बकरी को मगरमच्छ द्वारा चंबल नदी में खींचे जाने की घटना हुई। कैंजराघाट पर नहाते समय गौसिंली और बिचोला के युवक मगरमच्छ के हमले में घायल हुए। हमलों के बाद भी चरवाहे और ग्रामीण सबक नहीं ले रहे। बाह के रेंजर उदय प्रताप सिंह ने बताया कि नेस्टिंग से लेकर हैचिंग तक मगरमच्छ अपने नेस्ट और अंडों के नुकसान के अंदेशे में हमला कर देते हैं। नदी किनारे की बालू में मगरमच्छों के नेस्ट हैं। चेतावनी के बाद भी नदी किनारे जाने से ग्रामीण बाज नहीं आ रहे।

बारिश से अरुणाचल बेहाल, कट गया नेशनल हाइवे, 8 दिनों से अलग-थलग है चीन से सटा अंजाव जिला

इटानगर, एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश में जोरदार बारिश का कहर देखने को मिला है। इसके चलते अरुणाचल प्रदेश का अंजाव जिला देश के अन्य हिस्सों से पिछले आठ दिनों से पूरी तरह से कटा हुआ है। भारत-चीन और भारत-म्यांमार सीमा को जोड़ने वाला नेशनल हाइवे-113 पर भी कई जगह कटाव और गड्ढे हो गए हैं। इसकी वजह से यह रास्ता भी इस्तेमाल के लायक नहीं है। इस हाइवे के अरोवा-खुपा-हायुलियांग के मोनपानी सेक्शन पर भी हालात ठीक नहीं है। इस वजह से स्थानीय लोगों तो परेशानी हो ही रही है। साथ ही रणनीतिक रूप से अहम चीनी सीमा से सटे इलाकों तक पहुंचना भी मुश्किल हो रहा है। चगलगाम तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। चीन और म्यांमार की सीमा से जुड़े होने के चलते यह दोनों इलाके रणनीतिक रूप से बेहद अहम हैं। वहीं, कई इलाकों में स्थानीय समुदाय के लोग अलग-थलग पड़ गए हैं। खासतौर पर हायुलियांग, हवाई और आसपास के गांवों में चीजों की भारी किल्लत हो रही है। वाहनों का यातायात ठप होने के चलते तमाम स्थानीय लोग कई किलोमीटर पैदल चलकर जरूरी चीजें लाने के लिए विवश हैं। स्थानीय अधिकारियों ने ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। इसमें स्थानीय निवासियों से रात में यात्रा करने से बचने और सावधानी बरतने के लिए कहा गया है। इस बीच महिला एवं बाल विकास मंत्री और इस क्षेत्र से विधायक दासांग्लू पुल ने जमीन पर हालात का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि मोनापानी में काम चल रहा है। इसके लिए अधिकारी पूरी शिद्दत से जुटे हुए हैं। इसके अलावा फंसे हुए लोगों की मदद के लिए हेलीकॉप्टर सेवा भी शुरू की गई है। मंत्री पुल ने यह भी बताया कि अस्थायी तौर पर एक रास्ते की मंजूरी दी गई है, ताकि भविष्य में किसी तरह की दिक्कत होने पर उसका इस्तेमाल किया जा सके।

बेटे ने दोस्त को सुपारी देकर कराई थी पिता की हत्या

रेवाड़ी, एजेंसी। गुरुग्राम से सटे हरियाणा के रेवाड़ी में बेटे द्वारा सुपारी देकर बुजुर्ग पिता की हत्या करवाने का मामला सामने आया है। रामपुरा थाना पुलिस ने मृतक के आरोपी बेटे रवि और सुपारी किलर कृष्ण को गिरफ्तार कर इस हत्याकांड की गुत्थी सुलझा ली है। 10 जून की रात को पिता का शव गांव ठोठवाल के पास खेत में मिला था।

रेवाड़ी जिले में 5 एकड़ जमीन बेचने के बाद रुपये नहीं देने पर बेटे ने पांच लाख रुपये की सुपारी देकर पिता की हत्या करवाई थी। शुक्रवार को डीएसपी सिटी जोगेंद्र शर्मा ने बताया कि 10 जून की रात को गांव ठोठवाल के 62 वर्षीय बीर सिंह का शव पास के खेत में पड़े होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। मृतक के बेटे रवि ने पुलिस को गुमराह करते हुए कहा कि उनके परिवार की किसी से कोई दुश्मनी नहीं है। खेतों में आवारा पशु प्रायः हमला करते रहते हैं।

इजरायली हमलों के बीच ईरान में फंसे भारतीयों की जल्द वापसी करवाएं सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। इजरायल और ईरान के बीच में इन दिनों जमकर टसल चल रही है। दोनों ही देश एक-दूसरे के ऊपर रॉकेट्स, मिसाइल, ड्रोन्स से हमला कर रहे हैं। इसी बीच हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों को वहां से निकालने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर से गुहार लगाई है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इसकी जानकारी साझा करते हुए बताया कि कई भारतीय नागरिक वहां फंसे हुए हैं। इनमे से कई छात्र भी हैं। ऐसे में सरकार को जल्द से जल्द इन्हें वहां से निकालने की व्यवस्था करनी चाहिए।

सोशल मीडिया साइट पर ओवैसी ने इन नागरिकों के लिए अपनी चिंता जाहिर की। उन्होंने लिखा, ईरान में 1,595 भारतीय छात्र फंसे हुए हैं, जिनमें से 140 छात्र तेहरान यूनिवर्सिटी में मेडीकल की पढ़ाई पढ़ रहे हैं। इन छात्रों के अलावा इराक में 183 भारतीय तीर्थयात्री भी फंसे हुए हैं। मैंने संयुक्त सचिव आनंद प्रकाश से इस वाले में बात की और फंसे हुए लोगों की जानकारी साझा की है। इन लोगों को तुरंत वहां से निकालने की आवश्यतकता है। मैं विदेश मंत्री एस जयशंकर और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से अनुरोध करूंगा कि इनकी जल्द से जल्द वापसी सुनिश्चित की जाए।

आपको बता दें शुक्रवार तड़के इजरायली फाइटर जेट्स ने ईरान की राजधानी समेत कई जगहों पर बम बरसाए थे। इजरायली एयरफोर्स ने ईरान के कई बड़े सैन्य अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों को निशाना बनाया है। इजरायल की तरफ से यह हमला इतनी बड़ी तादाद में किया गया कि सुबह तक इजरायली विमान तेहरान के आसमान में मंडराते हुए दिखाई देते रहे। इजरायली सेना ने ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम को पूरी तरह से तबाह कर दिया। इस हमले में ईरान के 100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

इजरायली हमले का जवाब देते हुए ईरान ने भी पूरे इजरायल पर मिसाइलों और रॉकेट्स और प्रोजेक्टाइल से हमला बोला। दुनिया में अपने डिफेंस के लिए मशहूर इजरायल का आयरन डोम ने काफी हद तक ईरानी हमलों को रोक लेकिन पूरी तरह से वह सक्षम नहीं हुए। ईरान की तरफ से किए गए इस हमले में इजरालय के कई रिहायशी इलाकों को नुकसान हुआ है। अधिकारियों के मुताबिक इन हमलों में तीन लोगों की मौत हुई है। दोनों देशों के बीच में माहौल काफी गर्मा गया है। आने वाले दिनों में इस लड़ाई के और भी ज्यादा बढ़ने की आशंका है।

क्यों गिर जाता है विमान? अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर पायलट सांसद ने बताया

अहमदाबाद, एजेंसी। बीते दिनों अहमदाबाद में प्लेन क्रैश हादसे में 274 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे को लेकर अलग-अलग एक्सपर्ट्स ने अपनी राय दी है। अब अहमदाबाद प्लेन क्रैश को लेकर भारतीय जनता पार्टी के सांसद और पायलट राजीव प्रताप रूडी का बयान सामने आया है। रूडी ने कहा कि ऐसा रेयर होता है कि प्लेन टेक ऑफ अच्छे से कर ले और उसके बाद क्रैश हो जाए। इस दौरान बीजेपी के पायलट सांसद ने एक और आशंका जताई है, जिसमें मानवीय गलती की ओर इशारा किया गया है। अहमदाबाद प्लेन क्रैश को लेकर बात करते हुए भाजपा के पायलट सांसद ने टेक ऑफ को लेकर पूरी डिटेल दी है। डिटेल देते हुए राजीव प्रताप ने बताया कि जब प्लेन टेक ऑफ करता है और जमीन से अलग होकर हवा में पहली उड़ान भरता है तो इंजन की ताकत सबसे ज्यादा लगती है। इसके बाद प्लेन धीरे-धीरे ढाई डिग्री से लेकर 7-8 डिग्री तक डिग्री के रोटेशन तक चला जाता है। इस दौरान जैसे-जैसे विमान ऊपर जाता है, उसके फ्लैप में बदलाव किया जाता है, ताकि प्लेन और ऊपर की ओर जा सके। रूडी ने बताया कि वीडियो में दिख रहा है कि 600 फीट की ऊंचाई तक पहुंचने के बाद भी लैंडिंग गेयर विमान के बाहर ही थे। रूडी ने कहा कि ऐसा कभी नहीं होता है। ऐसे तब होता है जब लैंडिंग गेयर जाम हो गया हो। रूडी ने इस प्लेन क्रैश को लेकर एक मानवीय गलती की तरफ इशारा किया है। रूडी का कहना है कि लैंडिंग गेयर को अंदर करने के लिए एक एक हैंडल होता है।

अस्पताल ने व्यक्ति को मृत घोषित किया, अंतिम संस्कार की तैयारी करते समय जाग गया

ठाणे, एजेंसी। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के उल्हासनगर में अस्पताल के डॉक्टर की ओर से मृत घोषित किया गया व्यक्ति उस समय जग गया, जब उसका परिवार उसके अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा था। परिजनों ने शनिवार को बताया कि पीलिया से पीड़ित अभिमन्यु तायडे को बेचैनी की शिकायत के बाद स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने कहा कि हॉस्पिटल के डॉक्टर ने मृत्यु प्रमाणपत्र जारी कर दिया। इसके बाद परिवार ने उनके अंतिम संस्कार की तैयारियां शुरू कर दी, इसी दौरान अभिमन्यु तायडे जाग गए।

अस्पताल के एक डॉक्टर ने अपनी गलती स्वीकार की, लेकिन दावा किया कि उन्होंने मानवीय आधार पर मृत्यु प्रमाण पत्र दिया था, जब परिवार ने स्वयं बताया था कि तायडे की मौत हो गई है। तायडे का फिलहाल दूसरे अस्पताल में इलाज चल रहा है। हॉस्पिटल की लापरवाही के संबंध में क्या कार्रवाई की जाएगी, यह जानने के लिए उल्हासनगर नगर निगम के चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन संपर्क नहीं हो पाया। वहीं, महाराष्ट्र के पालघर जिले के मोखाडा में एक महिला ने एम्बुलेंस उपलब्ध न होने के कारण गर्भ में ही अपने बच्चे को खो दिया। उसकी नाजुक हालत के कारण उसे एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल भटकना पड़ा। महिला के परिजनों ने शनिवार को यह दावा किया। महिला के पति ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने घटना के बारे में जवाबदेही तय करने की मांग की तो पुलिस ने उनकी पिटाई कर दी। हालांकि, अधिकारियों ने इन दावों का खंडन किया है। जोगलवाड़ी गांव की रहने वाली अविता कवार को 10 जून को प्रसव पीड़ा शुरू हुई, लेकिन 108 नंबर पर कॉल करने के बावजूद उसे एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं कराई गई। 11 जून को भी यही हुआ और नतीजा वही रहा, जिसके बाद उन्हें निजी वाहन से खोडाला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां के डॉक्टरों ने पहले तो इलाज का आश्वासन दिया, लेकिन 3 घंटे बाद उन्होंने कहा कि उसे मोखाडा ग्रामीण अस्पताल में ले जाया जाए क्योंकि उसकी हालत गंभीर थी। 2 घंटे बाद जब आसे सब सेंटर से उसे लाने के लिए गाड़ी आई, तब तक गर्भ में ही भ्रूण की जान जा चुकी थी।

इजराइल-ईरान संघर्ष के कारण जॉर्जिया में फंसे 61 राजस्थानी, सरकार से लगाई मदद की गुहार

जैसलमेर, एजेंसी। राजस्थान से आठ दिन पहले यूरोपिय देश जॉर्जिया गया 61 लोगों का एक दल इजराइल-ईरान संघर्ष की वजह से वहां फंस गया है। दरअसल इस संघर्ष के शुरू होने के बाद विमान कंपनियों ने बड़े पैमाने पर अपनी उड़ानें रद्द कर दी हैं, जिसके चलते ये लोग वहां से निकल नहीं पा रहे हैं। ऐसे में अब उन्होंने वहां से निकलने के लिए भारत सरकार से मदद की गुहार लगाई है। इस दल में मुख्य तौर पर 29 चार्टर्ड अकाउंटेंट और उनका परिवार शामिल है, जिनमें 3 बच्चों समेत कुल 61 लोग हैं। इन लोगों को शनिवार को एयर अरेबिया की फ्लाइट से जयपुर लौटना था, लेकिन मध्य एशिया में शुरू हुए संघर्ष की वजह से उनकी फ्लाइट रद्द हो गई, जिससे ये लोग फिलहाल वहीं फंस गए हैं।

राजस्थानी लोगों का यह ग्रुप जॉर्जिया की राजधानी त्बिलिसी में आयोजित एक आवासीय रिफ्रेशर कोर्स में भाग लेने के लिए वहां गया था और 13 जून को शारजाह के रास्ते भारत लौटने वाला था। हालांकि, बढ़ते तनाव के कारण कई विमान कंपनियों ने वहां से उड़ान सेवाएं निलंबित कर दी हैं, जिससे प्रतिनिधिमंडल जॉर्जिया में फंस गया है।

फंसे हुए लोगों में तीन सदस्य जैसलमेर के भी हैं। उनमें से एक, भाविक भाटिया ने परिजनों को भेजे एक वीडियो में भारत सरकार से तत्काल सहायता की अपील की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से उनकी सुरक्षित निकासी के लिए हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। भाटिया ने अपने संदेश में कहा, हालांकि जॉर्जिया में स्थिति शांत है और सभी सदस्य अपने होटल में सुरक्षित हैं, लेकिन वर्तमान हालातों ने यहां फंसे हुए लोगों में चिंता और भय पैदा कर दिया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए भाविक भाटिया ने लिखा, हम 61 वयस्कों का समूह हैं, जिनमें 3 बच्चे भी हैं। आज हमारी जयपुर के लिए एयर अरेबिया जी9 297, जी9 435 की फ्लाइट थी, जो इजरायल और ईरान मुद्दे के कारण रद्द हो गई है। कृपया हमें भारत पहुँचने में मदद करें।

राजस्थान में उनके परिवार के सदस्य भी उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता में हैं और उन्होंने सरकार से उनकी जल्द वापसी में मदद करने का आग्रह किया है। भाविक के पिता प्रमोद भाटिया ने जैसलमेर में संवाददाताओं से कहा कि हमारा परिवार बहुत चिंतित हैं। हम चाहते हैं कि वे सभी जल्द से जल्द सुरक्षित घर लौट आएं।

रैपिड रेल के ट्रैक से केबल चोरी

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷ । मुरादनगर इलाके में रैपिड रेल के ट्रैक से पीएसटी सिस्टम का 80 मीटर केबल बदमाश चोरी कर ले गए। आरआरटीएस के अधिकारी भुवनेश्वर कुमार ने मुरादनगर थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि बदमाश 28 और 30 मई को बदमाश 80 मीटर केबल काटकर ले गए। निरीक्षण के दौरान मामले की जानकारी हुई। सीओ ने बताया कि बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

ई-रिक्शा हटाने के लिए कहने पर बस चालक से मारपीट

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷ । लाल कुआं के पास सड़क पर खड़े ई-रिक्शा को हटाने के लिए कहने पर बस चालक पर हमला करने का मामला सामने आया है। इस मामले में बस चालक ने ई-रिक्शा चालक चेतन सिंह के खिलाफ वेव सिटी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, बादलपुर के दुजाना गांव निवासी विनोद ने शिकायत में बताया है कि 12 जून की सुबह करीब साढ़े नौ बजे वे गाजियाबाद से बस लेकर दादरी जा रहे थे। लाल कुआं के पास सड़क पर एक ई-रिक्शा खड़ा था, जिसे उन्होंने हटाने के लिए कहा। आरोप है कि उन्होंने ई-रिक्शा साइड करने के लिए जैसे ही कहा तो ई-रिक्शा चालक गाली-गलौज करने लगा। फिर उसने पीड़ित के साथ मारपीट करते हुए लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हमले में उनके सिर में काफी चोट आई है। सीओ वेव सिटी प्रियाश्री पाल का कहना है कि मामले में जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

मंडी जा रहे मामा और भांजे पर हमला

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷ । शाहपुर बम्हेटा में मंडी जा रहे मामा-भांजे पर गांव के ही तीन युवकों ने हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि आरोपियों ने पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की भी धमकी दी। इस मामले में पीड़ित ने वेव सिटी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, शाहपुर बम्हेटा के रहने वाले राहुल ने शिकायत में बताया है कि 12 जून को वे अपने मामा नंदराम के साथ मंडी जाने के लिए घर से निकले थे। पड़ोस में रहने वाले अंकित, तुषार और अवनीश ने उनके व उनके मामा के साथ गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में दोनों के काफी चोट आई हैं। आरोप है कि इसके बाद आरोपियों ने पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की भी धमकी दी। सीओ वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि मामले में जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

पिता-पुत्र पर युवकों ने हमला कर घायल किया

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷ । डासना स्थित यासीन गढ़ी में पिता-पुत्र पर कुछ युवकों ने हमला कर दिया। आरोप है कि आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में यासीन गढ़ी निवासी इशाक ने वेव सिटी थाने में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, इशाक ने शिकायत में बताया है कि नौ जून को उनके व उनके बेटे इरफान के साथ तीन आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट भी की। इसी बीच आरोपियों ने लाठी-डंडों से भी हमला किया। हमले में उनके काफी चोट आई हैं। सीओ वेव सिटी का कहना है कि कि मामले में जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

बाप और बेटे ने व्यक्ति को लाठी-डंडों से पीटा

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷ । दिल्ली सीमा के नजदीक जनपद गाजियाबाद के लोनी थाना क्षेत्र की अशोक विहार कालोनी में पिता पुत्र ने पांच जून को एक व्यक्ति के साथ मारपीट की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। अशोक विहार कालोनी में इदरीश रहते है। उन्होंने बताया कि पांच जून को वह घर का सामान लेने के लिए बाजार जा रहे थे। जब वह कालोनी स्थित अली मार्केट के पास पहुंचे तो वहां कालोनी में रहने वाला इसरार और उसका पुत्र मिले। जहां किसी बात को लेकर दोनों ने उनसे गाली गलौज की। उनके विरोध करने पर दोनों ने लाठी डंडे से मारपीट की। जिससे उनके सिर पर काफी चोट आई। राहगीरों के एकत्र होने व मारपीट का विरोध करने पर दोनों उन्हें जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गये। उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से की।

ट्रैक्टर चालक के सिर में हथौड़ा मारा

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷ । साहिबाबाद थानाक्षेत्र में खोखा संचालक ने ट्रैक्टर चालक के सिर में हथौड़ा मार दिया, जिस कारण उसे सात टांके आए हैं। शनिवार सुबह की घटना में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साहिबाबाद स्थित एक कंपनी में कार्यरत अजंतर पाल ने रविंद्र भारती के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि साथी ट्रैक्टर चालक सतीश मोहन नगर स्थित दुकान पर पंक्चर जुड़वाने गया था।पास में स्थित खोखा के संचालक रविंद्र भारती का किसी से झगड़ा हो रहा था और उक्त व्यक्ति वहां से चला गया। कुछ समय बाद रविंद्र ने हथौड़ा उठाकर सतीश के सिर में मार दिया। इस कारण सतीश बेहोश होकर गिर पड़ा। रविंद्र का कहना था कि उसे लगा कि यह वही व्यक्ति है, जिससे झगड़ा हो रहा था। लोगों ने पुलिस को सूचना दी तो आरोपी फरार हो गया।

संविदा सफाई कर्मचारियों की महत्वपूर्ण बैठक में दिखाई एकजुटता

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷ । नगरपालिका परिसर में संविदा सफाई कर्मचारियों की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें स्थानीय निकाय मजदूर संघ उत्तर प्रदेश रजि से जुड़कर अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ने पर चर्चा की गई। रविवार को संविदा सफाई कर्मचारी नगरपालिका परिसर में एकत्रित हुए ओर एक बैठक आयोजित की। बैठक में वक्ताओं ने एकजुट होकर अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ने पर जोर दिया। जिसमें सभी नगर पंचायतों ने यह निर्णय लिया कि सभी नगर पंचायत स्थानीय निकाय मजदूर संघ उत्तर प्रदेश रजि. के बैनर तले अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ेंगे। इस मौके पर जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार सैलानी, लक्ष्मण सूद, नरेंद्र चैनवाल,विपिन, रविन्द्र, प्रवेश, अर्जुन सिंह, राधेश्याम, राजीव प्रसाद, विशाल,दिलेश कुमार, देवराज, विनय, रामप्रसाद, बंटी,सतीश,अमित, सुरेश कुमार विजय पाल अश्वनी आदि उपस्थित रहे।

प्रधान पति ने डीएम से तालाब की भूमि को कब्जा मुक्त करने की मांग उठाई

दबंग व्यक्ति ने तालाब की आराजी पर अवैध निर्माण कर रास्ते में कर रखा अतिक्रमण

✷ **एनसीआर टुडे. धामपुर** ✷

ग्राम पंचायत कल्याणपुर की ग्राम प्रधान पति दिलशाद अहमद ने गांव निवासी एक व्यक्ति पर ग्राम समाज के तालाब पर अवैध कब्जा कर निर्माण करने और सरकारी राश्ते में अतिक्रमण करने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से शिकायत कर कार्रवाई करने की मांग की है।

उन्होंने बताया कि आरोपी दबंग एवं आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है, जिसके खिलाफ कई मुकदमे विचाराधीन है।

नगीना तहसील के ग्राम कल्याणपुर निवासी प्रधान पति मौ० दिलशाद ने डीएम की गई शिकायत में अवगत कराया कि दबंग व अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति सईदुदीन पुत्र खैराती निवासीगण ग्राम कल्याणपुर पर अपराधिक मुकदमें चल रहे है।, इनमें मु०सं० 731/2022, आई०पी०सी० थाना नगीना धारा-147, 323, 504, 506, 386, 342,. मु०सं० 202/2022, धारा 147, 386, 504, 506 आई०पी०सी० थाना नगीना, मु०सं० 553/2023, धारा-147, 323, 504, 506, 386, 342 आई०पी०सी० थाना कोतवाली देहात, मु०सं० 4479/2022 धारा-392, 342, 323, 504, 506 आई०पी०सी०, थाना सगीना सुगीना 1510/2025 धारा- ११० (1) व बी.एन.एस., मु०सं० 402/2024 धारा-356(2) बी०एन०एस० विचाराधीन है। उपरोक्त सईदुदीन ने ग्राम समाज की आराजी खसरा सं० 299 तालाब की भूमि पर अवैध कब्जा कर लोगो के मकान बनवा रखे है । मकान बनवाने के बदले में अवैध धन की वसूली करता है।

ग्राम समाज के राश्ते पर अपने जानवर बकरी आदि बांधकर तथा कचरे वाले गाड़ी में कचरा नहीं डालकर ग्राम में फैलाता रहत्ता है।इतना ही नहीं कूडा तालाब में डालकर गन्दगी फैलाता है तथा अवरोध उत्पन्न करता है। विरोध करने वालो को डराता धमकाता है तथा झूठे प्रार्थना पत्र देकर ब्लैकमेल करता है। उक्त सईदुदीन का ग्राम में भय व आंतक व्याप्त है।

उपरोक्त व्यक्ति द्वारा ग्राम समाज कल्याणपुर तहसील व थाना नगीना के ग्राम समाज के तालाब की भूमि पर किये अवैध निर्माण को हटवाने व राश्ते पर जानवरों को बांघने से रोकने के आदेश व कचरा गाड़ी में कचरा डलवाने के आदेश देते हुए सईदुदीन के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करने की कृपा करे। उन्होंने ग्राम के सईदुदीन द्वारा ग्राम समाज के तालाब की आराजी से कब्जा हटवाने व राश्ते में अतिक्रमण करने से रोकने हेतु व कचरा गाड़ी में डलवाने की मांग की है।

पहल पोर्टल से जीडीए ने 100 करोड़ कमाए

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

जीडीए के पब्लिक एक्सेस फॉर हाउसिंग एंड प्रोपर्टी अलॉटमेंट लॉगइन (पहल) पोर्टल का लाभ आवंटियों को मिल रहा है। साथ ही प्राधिकरण की भी कमाई हो रही है। इस वित्तीय वर्ष शुरू हुए पोर्टल पर 3,381 आवंटियों ने करीब सौ करोड़ रुपये प्राधिकरण के खाते में जमा कराए है। ये रकम विभिन्न मदों में जमा कराई गई है।

जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स के नेतृत्व में इस वित्तीय वर्ष प्राधिकरण ने पहल पोर्टल शुरू किया। इस पोर्टल से 7,452 आवंटी जुड़ गए हैं। जीडीए अधिकारी बताते हैं कि पोर्टल पर 3381 आवंटियों ने ऑनलाइन माध्यम से सौ करोड़ रुपये से अधिक जमा कराए है।

ये रकम मधुबन बापूधाम, इंदिरापुरम, स्वर्णजयंतिपुरम, प्रताप विहार, वैशाली, कोयल एन्क्लेव, इंद्रप्रस्थ, गोविंदपुरम, कर्पूरीपुरम, चंद्रशिला आदि योजना के आवंटियों ने जमा कराई है। इसमें मधुबन बापूधाम योजना के 17,036 आवंटियों ने किश्त जमा कराई है।

इसके अलावा प्रताप विहार योजना के 553, इंद्रप्रस्थ योजना के 257, इंदिरापुरम 155, निवाडी की प्रधानमंत्री आवास योजना के 130, राजेंद्र नगर योजना के 89, नंदग्राम के 57, वैशाली के 31 आवंटियों ने लाभ उठाया है।

आकाशीय बिजली गिरने से देवर भाभी घायल

मकान ककी छत में आई दरार

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

जिले के नहटौर इलाके में स्थित गांव हरपुर में बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने पर एक मकान के लिंटर में दरार आ गई।

मकान में मौजूद देवर भाभी भी आकाशीय बिजली की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। हालत गंभीर होने पर दोनो को जिला अस्पताल रैफर किया गया। जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह करीब नौ बजे बारिश के दौरान अचानक आकाशीय बिजली गांव हरपुर निवासी नन्हे सिंह के मकान पर गिर गई। आकाशीय बिजली गिरने से मकान के लिंटर में दरार आ गई।

मकान में घुसे बारिश के पानी को निकाल रहे नन्हे सिंह व उसकी भाभी दीपा भी आकाशीय बिजली की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आकाशीय बिजली गिरने के दौरान गांव में हड़कंप मच गया।

आनन फानन में घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया।घायलों को जिला अस्पताल रैफर किया गया है। राजस्व विभाग को सूचना दी गई है।

तेज गति ट्रक होकर पेड़ से टकराया, चालक सहित दो की मौत, एक घायल

✷ **एनसीआर टुडे. हल्दौर** ✷

बीती देर रात्रि में नूरपुर - खूनी हाईवे पर नूरपुर मार्ग पर ग्राम पैजानिया के समीप एक ट्रक संख्या PB 65 AU 9331 अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गया।

ट्रक में सवार गिरवेल सिंह पुत्र कुलवंत उम्र करीब 45 वर्ष, गुरजंट सिंह पुत्र कुलवंत निवासी फतेहाबाद अमृतसर पंजाब की मौके पर ही दबने से मृत्यु हो गई।

गोपी पुत्र रिशन उम्र करीब 35 वर्ष निवासी खेला थाना फतेहाबाद अमृतसर पंजाब गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर स्थानीय पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर मृतक गिरवेल, गुरजंट सिंह के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु मोर्चरी जिला चिकित्सालय बिजनौर भेज दिया गया है। घायल गोपी उपरोक्त को वाश्ते उपचार हेतु जिला चिकित्सालय बिजनौर भेजा गया है

जहां पर उपचाराधीन है। स्थानीय पुलिस द्वारा परिजनों को सूचना दी गई है। यातायात सुचारू रूप से जारी है। अन्य विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

योगाभ्यास प्रशिक्षण शिविर आयोजित योग दिवस की तैयारियां जोरों पर

✷ **एनसीआर टुडे. अफजलगढ़** ✷

आगामी 21 जून को योग दिवस के अवसर पर ब्लॉक परिसर में योगाभ्यास प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। जिसमें ब्लॉक क्षेत्र की आशाओं ने भाग लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आगामी 21 जून को योग दिवस के अवसर पर शनिवार को ब्लॉक कासमपुर गढ़ी प्रणांगन में स्थित टीन शेड हाल में आयुष विभाग जनपद बिजनौर के तत्वावधान में आयोजित योगाभ्यास प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें राजकीय आयुर्वेदिक विद्यालय उदयपुर बिजनौर के योग प्रशिक्षक अमित कुमार व पवनेश कुमारी ने ब्लॉक क्षेत्र कि संगनियों व आशाओं को योगाभ्यास कराया।

अमित कुमार व पवनेश कुमारी ने सभी को सम्बोधित करते हुए बताया कि योग इंसान के शरीर को स्वस्थ और रोग मुक्त रखना है। योगा करने से तमाम बीमारियों से मनुष्य रोग मुक्त रहता है।

इसीलिए प्रत्येक मनुष्य को अपने जीवन में योगा करना अति आवश्यक है। इस अवसर पर संगिनी चंद्रकांता, सुमन देवी, बबीता देवी, रेनू लता, ममता देवी सुरूची देवी, तथा आशाएं गुलशन जहां, शबाना परवीन, अन्जू, जैनब खातून, मिथलेश देवी, रणजीत कौर, प्रवेश देवी, नसीम बानो, ज़ैबुन्निशा, शाइश्ता, सायदा, सुनीता देवी, सुंदरी देवी, पूनम, ज्योति, देवी, ईशरत जहां, आदि मौजूद रहीं।

लोक निर्माण विभाग की भूमि से पालिका और राजस्व विभाग की टीम ने हटवाया कब्जा

✷ **एनसीआर टुडे. स्योहारा** ✷

मील चौक के पास पड़ी लोक निर्माण विभाग की 949वर्ग मीटर जमीन पर

अवैध निर्माण की शिकायत पर आज लोक निर्माण विभाग के असिटेट इंजिनियर, राजस्व विभाग,नायब तहसील दार एवं नगर पालिका करमचारी पुलिस बाल के साथ मौके पर पहुचे।

इस टीम ने जमीन की नाप तोल करते हुए 431वर्ग मीटर बची हुई जमीन पर से अतिक्रमण हटवाया। इस से पहले भी 6 दुकान का अवैध निर्माण हटवाया था ।मगर कुछ व्यक्ति द्वारा फिर निमार्ण कर ने की कोशिश की गई।

जिस पर आज लोक निर्माण विभाग ओर से नायाब तहसील दार ने अवैध निर्माण हटवाया ।साथ ही चेतावनी दी कि यथा स्थिति बनी रहे अगर आगे निर्माण होता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से ई रिक्शा पलटी चालक घायल

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

धामपुर मार्ग पर गांव कश्मीरी के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से ई रिक्शा खाई में जाकर पलट गई।जिसमें ई रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।घायल को उपचार के लिए बिजनौर रैफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार रविवार को करीब चार बजे कश्मीरी निवासी फैजान पुत्र नफीस धामपुर की ओर से ई रिक्शा लेकर नहटौर की ओर जा रहा था। बताया जाता है कि गांव कश्मीरी के पास अज्ञात वाहन ने उसकी ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। जिसमें ई रिक्शा सड़क किनारे खाई में जाकर पलट गई। ई रिक्शा में बैठी चार सवारी भी मामूली रूप से घायल हुई।जबकि ई रिक्शा चालक फैजान गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उसकी हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रैफर किया गया है। अज्ञात वाहन चालक ई रिक्शा में टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया।

तीर्थ यात्रा से लौट रहे दंपति की कार दुर्घटनाग्रस्त पति- पत्नी घायल

✷ **एनसीआर टुडे. अफजलगढ़** ✷

नेशनल हाईवे 734 फोर लाइन स्थित बनैली नदी मानियावाला पुल के तीव्र

मोड़ पर एक आट्रिका कार UP 25DY 5697 जो केदारनाथ यात्रा से वापस बरेली घर जा रहे थे।

अनियत्रित होकर खाई में पलटने से कार में सवार अभिषेक राठौर उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना पर पहुंची डायल 112 व कोबरा मोबाईल पुलिस कासमपुर गढ़ी कि मदद से 108 एम्बुलेंस से सीएचसी अफजलगढ़ इलाज हेतु भेजा गया। जहां चिकित्सकों ने गंभीर अवस्था देखते हुए पति पत्नी दोनों को हायर सेंटर रेफर कर दिया

नाज नर्सिंग होम पर रक्तदान शिविर में 55 लोगों ने किया रक्तदान

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

अर्शीन ब्लड हेल्प सेवा द्वारा नाज़ नर्सिंग होम पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया।शिविर में पुलिस टीम व विनीत चौधरी इरशाद प्रधान डॉक्टर अब्दुल्ला कुणाल शानू इमरान मुकीम चौधरी कासिम अली शेख फैसल राणा महिलाओं सहित 55 लोगों ने रक्तदान किया।

रविवार को रक्तदान शिविर का शुभारंभ करने के उपरांत डॉक्टर नाजिम अली ने कहा कि यदि आपके द्वारा डोनेट किए गए खून से किसी इंसान की जान बच जाए तो इससे बड़ी समाज की सेवा हो ही नही सकती।

उन्होंने स्वस्थ लोगों से रक्तदान करने पर जोर दिया। महबूब शेख ने कहा कि रक्तदान करने से शरीर में कमजोरी नहीं बल्कि बीमारियों से छुटकारा मिलता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को मानव सेवा के लिए रक्तदान हेतु आगे आना चाहिए। इसके उपरांत ग्रुप द्वारा उन्हें हेलमेट देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर नाजिश इजहार,अश्विनी चौधरी, बिटटू चौधरी विनित चौधरी, मनोज चिकारा,नृपेनदर चौधरी, संजय चौधरी, शादाब शाद, हाजी फहीम कामिल शादाब दानिश शेख,नरेंद्र चनवाल डॉक्टर मुजम्मिल कासिम अली रब्बानी अंसारी आफताब मेहराज सद्दाम आदि मौजूद रहे।

जुबेर जैदी आसिफ डॉक्टर अब्दुल्ला शिविर को सफल बनाने में, महबूब अहमद, जावेद सिद्दीकी, डॉक्टर नज़ीम अली इरशाद अहमद, मुकीम चौधरी, अर्शीन महबूब आदि का विशेष योगदान रहा।

सरस्वती शिशु मंदिर में नेत्र शिविर आयोजित साठ मरीजों की हुई जांच

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

रामा विष्णु सरस्वती शिशु मंदिर में हिमालय अस्पताल जॉली ग्रांट के तत्वाधान में निशुल्क नेत्र का एकदिवसीय शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 60 मरीजों की आंख से संबंधित बीमारियों की जांच की साथ ही दो मरीजों को ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया।

रविवार को स्कूल परिसर मै आयोजित एकदिवसीय कैंप में क्षेत्र के लोगों ने पहुंचकर आंख से संबंधित बीमारियों के चेकअप के लिए अपना पंजीकरण कराया जिसमें डॉक्टर आशीष ने बताया कि लगभग 60 मरीजों का पंजीकरण किया गया जिसमें सभी मरीजों का ब्लड प्रेशर चेक कराया गया तथा 2 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया।

डॉक्टर आशीष ने बताया कि गर्मी के मौसम के चलते धूल से आंखों को बचाकर रखे चश्मा लगाए आंखों पर बार-बार पानी के छपकों से ना धोये सर पर कपड़ा रखें तथा आंखों को पूरी तरह से सुरक्षित रखें वह मोबाइल का इश्तेमाल कम करें इससे पूर्व शिविर का शुभारंभ स्कूल के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित करके किया।

डॉक्टरों की टीम में डॉक्टर आशीष डॉक्टर आकांक्षा डॉक्टर शिवम डॉक्टर शिल्पी आदि कर्मचारी मौजूद रहे साथ ही स्कूल के प्रधानाचार्य मनोज शर्मा अरुण कुमार शिवकुमार अनिल कुमार शगुन वर्मा वैभव जैन सौरभ शर्मा सीमा गुप्ता सरिता अग्रवाल प्रीति अग्रवाल आदि गढ़मान्य लोगों ने भाग लिया।

दीवाना मंडल के तत्वाधान में कड़ी सुरक्षा के बीच निकली निशान यात्रा

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

श्री श्याम लखदातार दीवाना मंडल नहटौर के तत्वाधान में रविवार को हल्दौर चौराह से निशान यात्रा कड़ी सुरक्षा के बीच निकाली गई।

यात्रा के दौरान श्रद्धालु भजन कीर्तन करते चल रहे थे यात्रा का विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा करके शरबत पिलाकर स्वागत किया गया।

रविवार को श्री श्याम लखदातार दीवाना मंडल शाखा नहटौर के तत्वाधान में हल्दौर चौराहे से निशान यात्रा प्रारंभ हुई निशान यात्रा में श्रद्धालु खाटू श्याम के झंडे लेकर डीजे पर धार्मिक भजनों के आगे थिरकते चल

रहे थे। कुछ युवा धार्मिक उदोष लगाते चल रहे थे निशान यात्रा हल्दौर चौराह,आर्य मार्केट पीर की चुंगी मक्खन मार्केट हाथी वाला मंदिर होलियान धर्मशाल सराय जोखा होली चौक नेजो सराय से होते हुए मोहल्ला छापेग्रान मे खाटू श्याम जागरण स्थल पर जाकर संपन्न हुई निशान यात्रा में बगी पर सवार खाटू श्याम की प्रतिमा एक आकर्षण का केंद्र निशान यात्रा का विश्वकर्मा मार्केट धर्मशाला सहित कई स्थानों पर शरबत पिलाकर पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया।

निशान यात्रा में अध्यक्ष निशु सैनी, सौरभ सैनी आकाश सैनी प्रशांत चंद्र दीपू सैनी कुलदीप सैनी राहुल सैनी कमलेश सैनी सरिता सैनी कविता सैनी रीता सैनी मिथिलेश सैनी मंजू सैनी रीमा सैनी रीना सैनी आदि महिला पुरुष भारी संख्या में शामिल है सुरक्षा की दृष्टि से व्यापक पुलिस फोर्स तैनात रहा।

संपादकीय

विश्वयुद्ध का सबब बनती दोगले देशों की घातक नीतियां

तीसरे विश्व युद्ध की स्थितियां निर्मित होने लगीं हैं। मानवता विरोधी नीतियों को तूफानी गति देने वाले राष्ट्रों और कट्टरता के समर्थकों ने वर्चस्व की जंग में समूची दुनिया को कैद करना शुरू कर दिया है। मुस्लिम, हिन्दू, बौद्ध, ईसाई और यहूदी धर्म की कथित मान्यताओं का बारूद अब ज्वालामुखी बनता जा रहा है। वर्तमान में इजरायल के साथ ईरान का जंगी सफर तूफानी हो गया है। ईरान के पक्ष में इस्लाम के नाम पर जहां लेबिनान, ईराक, यमन, सीरिया, बहरीन सहित अनेक कट्टरपंथी देश सक्रिय हो गये हैं वहीं हमास, हिजबुल्लाह, इस्लामिक जेहाद मूवमेन्ट, शिया मिलिशिया, हैती, आईएसआईएस जैसे आतंकी संगठनों ने भी मोर्चा सम्हाल लिया है।

इजरायल का 'आपरेशन राइजिंग लायन' और ईरान का 'आपरेशन ट्रू प्रामिस 3' कहर बरपा रहा है। लाशों पर लाशें गिर रहीं हैं। आसमान से आग बरस रही है। धूल धूसित होती अट्टालिकाओं में चीखें गूंज रहीं हैं। विश्व शान्ति की ठेकेदार संस्थायें मौन है। कट्टरता के नाम पर क्रूरता परोसने वालों की आक्रामकता चरम सीमा की ओर बढ रही है।

यह केवल एक क्षेत्र विशेष का मामला नहीं है बल्कि समूची धरती के लिए विनाश का शंखनाद है। इजरायल-ईरान की शत्रुता को समझने के लिए उसके अतीत में जाना आवश्यक होगा। सन् 1947 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने फिलिश्तीन के विभाजन की घोषणा करके इजरायल को नये राष्ट्र की मान्यता प्रदान की थी जिसका फिलिश्तीन ने ईरान सहित 13 देशों के साथ मिलकर कडा विरोध दर्ज किया था।

इस विरोध को दरकिनार करते हुए 14 मई 1948 को इजरायल ने स्वयं को एक नये राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की घोषणा कर दी थी, तब इस्लामिक कट्टरपंथियों ने फिलिश्तीन के नेतृत्व में अरब देशों के साथ मिलकर यहूदी बाहुल्य देश इजरायल पर आक्रमण कर दिया था। इस युद्ध में हार मिलने के बाद सन् 1949 में फिलिश्तीन तीन भागों में बंट गया। वेस्ट बैंक और गाजा के 7 लाख लोग विस्थापित हो गये थे।

यहीं से यहूदी और इस्लामिक कट्टरपंथियों के मध्य शत्रुता का बीजारोपण हुआ था। इसी तरह रूस और यूक्रेन के मध्य चल रही वर्चस्व की जंग में हथियारों के सौदागरों की महात्वपूर्ण भूमिका के साथ-साथ अनेक मुस्लिम राष्ट्रों की सक्रिय भागीदारी स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रही है।

नाजीबाद से मुक्ति के ऐलान पर आधारित इस युद्ध में रूस के विरुद्ध पश्चिमी देशों ने मोर्चा सम्हाल रखा है ताकि यूक्रेन के प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जा किया जा सके। इस नियत की बानगी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की ओवल आफिस में हुई मुलाकात के दौरान दुनिया ने स्वयं देखी थी जिसमें ट्रंप द्वारा जेलेंस्की पर खनिज समझौता करने का दबाव बनाया जा रहा था।

इसी तरह अतीत की घटनाओं और वर्तमान की आकांक्षाओं को लेकर चीन-ताइवान, अजनबैजान-आर्मेनिया, भारत-चीन, भारत-पाकिश्तान, उत्तर कोरिया-दक्षिण कोरिया में जंग के ज्वालामुखी फिर से सुलगने लगे हैं। सूडान, म्यांमार, बंगलादेश, वर्मा जैसे देशों में आन्तरिक कलह के भूकम्प आ रहे हैं। जापान में तो तुर्किये, ईराक और सीरिया से शरणार्थी बनकर आये कुर्दों ने वहां की व्यवस्था को ही चौपट कर दिया है।

बलात्कार, हत्या, लूट, चोरी जैसी आपराधिक घटनाओं को अंजान देने वाले क्रूर कुर्दों ने शान्तप्रिय जापानियों का जीना ही हराम कर दिया है। वहां के दक्षिण सैतामा प्रान्त के कावागुची, और वाराबी क्षेत्रों में शरणार्थियों ने मिनी कुर्दिश्तान ही बना लिया है। कम समय में ही उनकी जनसंख्या 3 लाख 50 हजार के पार हो चुकी है। वर्तमान में उन्होंने 113 मस्जिदों सहित अनगिनत कब्रिश्तान बना लिए हैं।

ओसाका के निशिनारी वार्ड में एक फैक्ट्री में भी मस्जिद का अवैध निर्माण कर लिया है। इस्लामिक जेहद के लिए इंडोनेशिया सहित अनेक मुस्लिम राष्ट्रों से वहां भारी धनराशि पहुंचाई जा रही है। कोबो शहर के शिंटो मंदिर परिसर में तोडफोड, श्रध्दालुओं को इस्लाम कुबूल न करने पर अंजाम भुगतने की धमकी, मासूम बच्चियों से सामूहिक बलात्कार, स्थानीय लोगों की हत्यायें, बिना लाइसेंस के वाहन चलाकर लोगों को कुचलकर मार डालने जैसी अनगिनत घटनायें करके कुर्दों ने वहां की संवैधानिक व्यवस्था को चौपट कर रखा है।

शरणार्थियों से आतंकवादी बन चुके कुर्दों के विरोध में स्थानीय नागरिकों ने सैतामा प्रान्त में जापानी झंडा लेकर जोरदार प्रदर्शन करके सरकार से कुर्दों को देश से बाहर निकालने की मांग की। हैती में तो आतंकी गिरोहों ने अनेक स्थानों पर कब्जा करके अपना स्वयं का संविधान चला रखा है जिसके कारण वहां से आम नागरिकों को पलायन करना पड रहा है। सूडान में सेना और रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के मध्य भीषण टकराव चल रहा है।

वहां भी लाखों लोग बेघर हो चुके हैं। वर्तमान हालातों के लिए अमेरिका, चीन, कनाडा सहित अनेक मुस्लिम राष्ट्र उत्तरदायी है जिन्होंने निहित स्वार्थों की पूर्ति हेतु संसार को ब्लड वैली बनाकर रख दिया है। आतंकियों से भयावह वातावरण निर्मित करवाने के बाद सैन्य सामग्री के निर्यातक देश पीडितों का शुभचिन्तक बनकर हथियार बेचना शुरू कर देते हैं।

'आपरेशन सिंदूर' के दौरान घातक देशों के वाश्तविक चेहरे सामने आ चुके हैं। विश्वयुद्ध का सबब बनती दोगले देशों की घातक नीतियां अब चरम पर पहुंचती जा रहीं हैं। उग्रवादियों, आतंकवादियों, अलगाववादियों, कट्टरवादियों, जेहादियों, धर्मान्धों के क्रूर गिरोह अब अपने संरक्षणदाताओं के इशारों पर विकासशील देशों को अशितत्वहीन करने में जुट गये हैं। ऐसे में समूचे संसार को इन षड़्यंत्रकारी देशों के विरुद्ध एक जुट होना होगा तभी शान्ति का सूर्योदय संभव हो सकेगा अन्यथा विनाश के मुहाने पर बैठी धरती पर कराहती मानवता की रक्तरंजित सिसकियां बहुत जल्दी ही सुनने को मिलेंगी। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

जनकल्याणकारी योजनाओं से बनी समृद्धि

बलबीर पुंज

बीते 11 वर्षों से मुफ्त राशन, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर) और जनधन योजना जैसी पहलों ने गरीबी को कम करने में अहम योगदान दिया है। मोदी सरकार द्वारा क्रियान्वित 'प्रधानमंत्री जनधन योजना' के अंतर्गत, 10 जून 2025 तक 55 करोड़ से अधिक लोगों के निशुल्क बैंक खाते खोले गए, जिसमें विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लाभार्थियों के खाते में ढाई लाख करोड़ रुपये से अधिक हश्तांतरित किए गए है।

भारत ने गरीबी के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। विश्व बैंक की नई रिपोर्ट के अनुसार, बीते 11 वर्षों में देश के करीब 27 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी से बाहर निकले हैं। वर्ष 2011-12 में जहां देश की 27.1 प्रतिशत आबादी गरीबी की इस श्रेणी में थी, वहीं 2022-23 में यह आंकड़ा घटकर केवल 5.3 प्रतिशत रह गया है।

यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि विश्व बैंक ने इस बार गरीबी रेखा के पैमाने को बढ़ाकर 3 डॉलर प्रतिदिन कर दिया गया है। यदि पुरानी सीमा यानी 2.15 डॉलर प्रतिदिन को आधार माना जाए, तो गरीबी दर वर्ष 2022-23 में केवल 2.3 प्रतिशत ही रह गई है। आखिर यह चमत्कार कैसे हुआ? इसके लिए बीते 78 वर्षों में देश की आर्थिक यात्रा को जानना आवश्यक है।

जिन सुधी पाठकों की उम्र पचास साल या उससे ज्यादा है, वे जानते है कि 1970 और 1980 के दौर में देश की क्या स्थिति थी। उस समय भारतीय अर्थव्यवस्था वामपंथ प्रेरित समाजवाद और योजनाओं के कारण बुरी तरह से थमी हुई थी। देश खाद्य-वश्तुओं के भीषण अकाल, कालाबाजारी, भुखमरी और बेतहाशा गरीबी से जकड़ा हुआ था। हालात ऐसे थे कि आमजन को दूध, चीनी जैसी रोज की चीजों से लेकर सीमेंट और टेलीफोन तक पाने के लिए लंबी कतारों में लगना पड़ता था।

आज के जमाने में कर देने वाले शायद ही जानते होंगे कि तब सबसे ऊंची कर की दर 97 प्रतिशत थी। कार खरीदने के लिए सात साल और स्कूटर के लिए नौ साल तक इंतजार करना पड़ता था।

जब समाजवादी आर्थिक नीति पूरी तरह विफल हो गई, तब इसके पोषक वामपंथियों ने अपनी वैचारिक बाध्यता के चलते इस असफलता का दोष भारत की मौलिक पहचान-अनाधिकालीन सनातन संस्कृति पर मढ़ दिया। वर्ष 1978 में एक वामपंथी अर्थशास्त्री प्रो.राजकृष्ण ने भारत की कमजोर विकास दर को 'हिंदू विकास दर' कहकर बदनाम किया।

वर्ष 1990-91 आते-आते हालात इतने बिगड़ चुके थे कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार केवल एक बिलियन डॉलर के आसपास सिमट गया, जो सिर्फ तीन सप्ताह के आयात के लिए पर्याप्त था। तब भारत को अपनी देनदारी आदि चुकाने के लिए देश का लगभग 47 टन सोना तक विदेशों में गिरवी रखना पड़ा था। जब सोवियत संघ का विघटन हुआ, तो शेष दुनिया ने भी समाजवाद का बुलबुला फूटते और इसके अंतर्गत गरीबी, भुखमरी और अराजक तानेबाने को अपनी आंखों से देखा।

जब 1991 में कांग्रेस के पीवी नरसिम्हा राव देश के 9वें प्रधानमंत्री बने, तब उनके नेतृत्व में समाजवाद की बेड़ियों का टूटना प्रारंभ हुआ। उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को नए राश्ते पर ले जाने की शुरुआत की। इससे दशकों से नीतिगत जाल में फंसी देश की प्रतिभा को खुलने का मौका मिला। इससे न केवल देश की तस्वीर बदली, बल्कि भारत दुनिया के सामने

एक उभरती आर्थिक ताकत बनकर खड़ा हुआ। परंतु भ्रष्टाचार रूपी दीमक- विशेषकर 2004-14 के बीच इसने देश में तरक्की की रफ्तार को दिशाहीन और कुछ क्षेत्रों तक सीमित कर दिया।

साल 2014 में जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में एक मजबूत, दृढ़ इच्छाशक्ति से लबरेज पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनी, तब से देश में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे है।

भ्रष्टाचार से मुक्त योजनाएं शुरू हुईं, सरकारी मदद सीधे लोगों तक पहुंचने लगी, और समेकित विकास के साथ आर्थिकी को भी नई ताकत मिलने लगी। आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। 2014 में हम 10वें स्थान पर थे। 1947 से 2014 तक भारत की अर्थव्यवस्था सिर्फ दो खरब डॉलर तक पहुंच पाई थी।

लेकिन तीसरा खरब सिर्फ पांच साल (2014-19) में जुड़ गया। कोरोनाकाल के कठिन समय और फिर रूस-यूक्रेन युद्ध से प्रभावित आपूर्ति-चक्र के बावजूद भारत चार खरब डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था बन गया है।

विश्व बैंक ने अपनी हालिया रिपोर्ट में माना है कि बीते 11 वर्षों से मुफ्त राशन, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर) और जनधन योजना जैसी पहलों ने गरीबी को कम करने में अहम योगदान दिया है। मोदी सरकार द्वारा क्रियान्वित 'प्रधानमंत्री जनधन योजना' के अंतर्गत, 10 जून 2025 तक 55 करोड़ से अधिक लोगों के निशुल्क बैंक खाते खोले गए, जिसमें विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लाभार्थियों के खाते में ढाई लाख करोड़ रुपये से अधिक हश्तांतरित किए गए है।

2018 से जारी प्रधानमंत्री जनारोग्य योजना के अंतर्गत, पांच लाख रुपये के मुफ्त वार्षिक बीमा संबंधित 41 करोड़ आयुष्मान कार्ड जारी किया जा चुका है, जिसका लाभ तीन जून 2025 तक साढ़े नौ करोड़ से अधिक लोग ले चुके है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत, मोदी सरकार सात करोड़ से अधिक पात्रों को मुफ्त एलपीजी गैस कनेक्शन दे चुकी है। वर्ष 2019 से पीएम-किसान सम्मान निधि योजना से औसतन 9-10 करोड़ किसानों को 6, 000 रुपये वार्षिक दे रही है।

कोरोनाकाल से मोदी सरकार निशुल्क टीकाकरण के साथ पिछले पांच वर्षों से 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' के तहत देश के 80 करोड़ों लोगों को मासिक मुफ्त अनाज दे रही है। ऐसी जनकल्याणकारी योजनाओं की एक लंबी सूची है। इन सबका लाभ, लाभार्थियों को बिना किसी मजहबी-जातीय भेदभाव के पहुंच रहा है।

ऐसा नहीं है कि मई 2014 से पहले सरकारों ने लोगों के भले के लिए कोई योजना नहीं चलाई। पहले भी कई योजनाएं बनी थीं, लेकिन उस समय भ्रष्टाचार भस्मासुर बना हुआ था। खुद एक समय के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भी कहा था कि सरकार जो 1 रुपया भेजती है, उसमें से लोगों तक सिर्फ 15 पैसा ही पहुंचता है। लेकिन 2014 के बाद से हालात में काफी सुधार हुआ है।

यह बात सही है कि भ्रष्टाचार अभी भी पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है, लेकिन यह भी सच है कि पिछले 11 सालों से मोदी सरकार और सत्तारूढ़ भाजपा का शीर्ष नेतृत्व भ्रष्टाचार और वित्तीय गड़बड़ियों से मुक्त है।

भारत की यह प्रगति केवल आंकड़ों की नहीं, बल्कि देश की सामाजिक और आर्थिक दिशा में हुए सकारात्मक बदलाव की कहानी है। यदि यही रफ्तार बनी रही, तो आने वाले वर्षों में भारत गरीबी मुक्त राष्ट्र बनने की दिशा में एक ठोस कदम और बढ़ा सकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और भाजपा के पूर्व राज्यसभा सांसद है)

इजरायल द्वारा ईरान पर रणनीतिक हमले के वैश्विक मायनों को ऐसे समझिए

कमलेश पांडे

लीजिए एक और युद्ध का आगाज हो गया। इससे हथियार निर्माता कम्पनियों की बाछें पुनः खिल गई। कहते हैं कि मरता क्या नहीं करता? आखिरकार बत्तीस दांतों के बीच घिरी जिह्वा की तरह मुस्लिम देशों से घिरे एकमात्र यहूदी मुल्क इजरायल ने अपने रणनीतिक हिफाजत के लिए मुस्लिम वर्ल्ड के सरगना देश ईरान पर निर्णायक हमला बोल दिया है, ताकि उसके परमाणु कार्यक्रमों पर ब्रेक लगाकर संभावित परमाणु हमलों से इजरायल के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

समझा जाता है कि ईरान की बार-बार की बन्दरघुड़की का इजरायल ने करारा जवाब दिया है। इस्राइल ने ईरान के 'परमाणु कार्यक्रम ठिकानों' पर अचानक हमला करके न केवल सबको चौंका दिया है बल्कि इस पूरे क्षेत्र को एक बार फिर से अनिश्चितता के जद्दोजहद में धकेल दिया है। इससे महंगाई और बर्बादी दोनों बढ़ेगी। वहीं, गुटीय युद्ध से बचने के लिए अमेरिका ने तत्काल यह साफ किया है कि इस कार्रवाई में वह शामिल नहीं है। वहीं, अब यह भी लगभग तय माना जा रहा है कि रूस और चीन की रजामंदी के बाद ईरान भी पुरजोर जवाबी कार्रवाई करेगा। इससे तीसरा विश्वयुद्ध भी भड़क सकता है।

दरअसल, इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। यह हमला भारत द्वारा पाकिश्तान के खिलाफ छेड़े गए ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई जैसा है, लेकिन अपने दृढ़ संदेश में ऑपरेशन राइजिंग लायन एक मजबूत संदेश देता है, जिससे इस्लामिक देशों की चूलें हिल चुकी हैं।

वहीं, ईरान ने भी यह माना है कि इन हमलों में उसके कम से कम छह परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य

अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गाड्र्स कॉप्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। इससे ईरान ने जवाबी कार्रवाई का इरादा भी जता दिया है।

वहीं, इस्राइली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13% बढ़ गई। जबकि कुछ शेयर बाजार रॉकेट की तरह भागे, और कुछ धराशायी हो गए।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि इस्राइल लंबे समय से कहता रहा है कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से हर हाल में रोका जाए और जरूरी हो तो उसके लिए बल प्रयोग से भी हिचका न जाए। क्योंकि उसका यह कहना है कि ईरान इस स्थिति में आ गया था कि कुछ दिनों के अंदर ही वह 15 परमाणु बम बना सकता था। जो इजरायल के खिलाफ ही उपयोग होता। ऐसे में उसने निर्णायक हमले किए।

यह बात दीगर है कि इस्राइल के इन आरोपों की स्वतंत्र तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। वहीं यह बात भी सत्य है कि इस मसले पर अमेरिका से ईरान की बातचीत चल रही थी। 15 जून रविवार को भी दोनों पक्षों में अगले दौर की वार्ता होनी थी। ऐसे में इस्राइल की अचानक की गई इस कार्रवाई के बाद सभी पक्षों की नजरें इस पर टिक गई हैं कि आगे घटनाक्रम कैसा रूप लेता है।

ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि ईरान की जवाबी कार्रवाई का स्वरूप कैसा और उसका दायरा कितना बड़ा होता है। क्या वह खुद को इस्राइल के खिलाफ सांकेतिक कार्रवाई तक सीमित रखता है या फिर अमेरिकी दूतावासों व अन्य ठिकानों को भी अपनी जद में लेता है या होरमुज की खाड़ी से गुजरते जहाजों को भी निशाना बनाता है जहां से 21% ग्लोबल तेल की सप्लाई होती है।

गौरतलब है कि इजरायली हमले के बाद वहां के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल ने ईरान की मुख्य संवर्धन सुविधा, परमाणु विज्ञानियों और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को निशाना बनाया। उन्होंने ईरान पर हमले के बाद यह साफ कर दिया कि ऑपरेशन राइजिंग लॉयन अभी खत्म नहीं हुआ है। इजरायली हमले में ईरान के रिवोल्यूशनरी गाड्र्स के प्रमुख हुसैन सलामी के मारे जाने की पुष्टि हुई है।

वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि ईरान पर हुए इजरायली हमलों में अमेरिका शामिल नहीं है। साथ ही उन्होंने तेहरान को अमेरिकी हितों और कर्मियों को निशाना बनाने के खिलाफ चेतावनी दी। जबकि इजरायली रक्षा अधिकारी ने दावा किया कि हमलों में ईरान के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोहम्मद बाघेरी और उनके कई शीर्ष सैन्य अधिकारी मारे जा चुके हैं।

ईरान पर इजरायली हमले के बाद अमेरिका ने एक आपात बैठक बुलाई। डोनाल्ड ट्रंप की अध्यक्षता में यह बैठक हुई। इसमें अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए आगे की एहतियाती रणनीति तय की गई। चूंकि तेहरान में हुए धमाकों के बाद इराक और ईरान ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। इससे वैश्विक वायुयान सेवाओं पर भी असर पड़ना लाजिमी है।

वहीं, इजरायल ने ईरान में हमले के बाद देशभर में इमरजेंसी लागू की। इसके अलावा इस्राइल ने दुनिया भर में अपने दूतावास बंद करने का एलान किया है। साथ ही इस्राइल ने अपने नागरिकों से सतर्क रहने और सार्वजनिक स्थानों पर यहूदी या इस्राइली प्रतीक न दिखाने की अपील की है।

मालूम हो कि विगत कई दशकों से गाजा पट्टी में इजरायल के खिलाफ संघर्षरत फिलिश्तीनियों और हमास के आतंकियों को जहां ईरान, सीरिया, जॉर्डन आदि मुस्लिम देश खुला समर्थन दे रहे हैं, वहीं पाकिस्तान-तुर्किये-अजरबैजान जैसे कुख्यात मुस्लिम देश भी उन आतंकियों को गुप्त शह प्रदान कर रहे हैं। लिहाजा इजरायल ने अब तय कर लिया है कि उसके खिलाफ षड्यंत्र में शामिल मुस्लिम देशों को अब बारी-बारी से भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

शायद इसलिए इजरायल ने अब ऐसे मुल्कों की जड़ों पर ही हमला बोलने का निश्चय किया है, जिसकी खौंफनाक शुरुआत भी कर दी है। जिसके बाद पश्चिम एशिया के दो कट्टर विरोधियों के बीच एक व्यापक युद्ध की आशंका तेज हो गई है। इसे 1980 के दशक में इराक के साथ युद्ध के बाद ईरान पर सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है।

जानकारों की मानें तो पहाड़ों में भी ईरान के परमाणु ठिकाने हैं, जिसे अमेरिकी मदद के बिना इजरायल खत्म नहीं कर पाएगा। उनका कहना है कि इजरायल सिर्फ ईरानी

परमाणु ठिकाने को ही नहीं, बल्कि उसकी खुमैनी सरकार को भी हटाना चाहता है। इसलिए इतना खतरनाक हालात पैदा किए हुए है। जाहिर है कि बिना अमेरिका, यूरोप व एशिया के नाटो देशों के इशारे के वह ऐसी हिमाकत कदापि नहीं कर सकता है।

वहीं, हमले के बाद आईडीएफ ने कहा कि ईरान लगातार इजरायल के खिलाफ प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है और अपने प्रॉक्सी गुटों के जरिए क्षेत्र में अस्थिरता फैला रहा है। इससे साफ है कि देर सबेर वह दूसरे मुस्लिम सरगना देश तुर्किये और तीसरे इस्लामिक आतंकवादी सरगना देश पाकिश्तान के ऊपर भी हमला अवश्य करेगा। फिलवक्त चूंकि पाकिश्तान व तुर्किये अमेरिका के सरपरश्त देश हैं, इसलिए इनकी बारी कब आएगी, अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। सिर्फ वक्त का इंतजार करना ही श्रेयस्कर होगा।

इस प्रकार देखा जाए तो इजरायल-ईरान विवाद से जुड़े इस पूरे मसले पर वर्ल्ड इस्लामिक काउंसिल (ओआईसी) के लगभग 56 मुस्लिम सदस्य देश भी आपस में विभाजित हैं, क्योंकि जो अमेरिका के सरपरश्त हैं, वो चुप्पी साधे बैठे हैं।

वहीं जो रूस-चीन-उत्तर कोरिया के समर्थक हैं, वो ईरान के पक्ष में एकजुट हो सकते हैं। चूंकि अमेरिका ने बड़ी सफाई से खुद को अलग कर लिया है, इसलिए अब यह रूस-चीन के ऊपर है कि वो खुलकर मैदान में आएंगे या नहीं। जबकि गुटनिरपेक्ष देश भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध की तरह इजरायल-ईरान युद्ध में भी अपनी तटस्थता बरकरार रखी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक है)

नतीज-ए-जिहाद : जैसा इराक़ में देखा

तनवीर जाफ़री

इराक़ के बग़दाद, नजफ़, बेबीलोन, करबला, मौसूल व सामरा जैसे कई ऐतिहासिक शहरों का भ्रमण करने का पिछले दिनों सौभाग्य प्राप्त हुआ।

यही वह इराक़ था जहाँ आईएसआई एस जैसे दुर्दांत आतंकी संगठन ने लाखों शियाओं, यज़ीदी व ईसाई समुदाय के लोगों तथा उनकी विचारधारा का समर्थन नहीं करने वाले स्थानीय उदारवादी सुन्नियों को निशाना बनाया और बेरहमी से हत्याएं कीं।

हाथों में काले रंग का इस्लामी कलमा लिखा झंडा लेकर इन्हीं राक्षसों ने यज़ीदी और अन्य समुदायों की महिलाओं और बच्चों का अपहरण किया उनसे यौन दासता कराई और जबरन सैन्य भर्ती के लिए उन्हें अपना निशाना बनाया।

2014 से 2019-20 के मध्य का यह वही दौर था जबकि आईएसआई एस द्वारा अपहृत लोगों को एक लाइन से खड़ा कर गोली मारने या तलवार से उनके सिर क़लम करने जैसी भयावह वीडिओ दुनिया को भयभीत करने के लिये सार्वजनिक की जाती थी और इस्लाम को क्रूरता के पर्याय के रूप में साज़िशन पेश किया जाता था।

आईएसआई एस अर्थात इस्लामिक स्टेट ऑफ़ इराक़ एंड सीरिया का मक़सद इराक़ और सीरिया में सख़्त शरिया क़ानूनों पर आधारित एक इस्लामिक ख़लीफ़ा स्थापित करना था। इराक़ी आतंकवादी अबू बक्र अल-बग़दादी इस्लामिक स्टेट (आईएस) का संस्थापक नेता था। उसने 2014 में स्वयं को ख़लीफ़ा घोषित किया था।

इसका लक्ष्य इराक़ और सीरिया में बड़े क्षेत्रों पर क़ब्ज़ा कर वहां अपनी कट्टरपंथी विचारधारा के आधार पर शासन स्थापित करना था। उस दौरान आईएसआई एस ने उन समुदायों को निशाना बनाया, जिन्हें वे 'काफ़िर' या 'अपवित्र' मानते थे। उन्होंने इसका उद्देश्य क्षेत्र को 'शुद्ध' करना बताया था, जिसमें शिया मुसलमानों, यज़ीदी, ईसाई, और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाना शामिल था।

दरअसल आईएसआई एस ने अल-क़ायदा से अलग होकर वैश्विक जिहादी आंदोलन में नेतृत्व हासिल करने की कोशिश की थी। उसने विदेशी लड़ाकों को भर्ती किया और अपनी विचारधारा को फैलाने के लिए प्रचार तंत्र का उपयोग किया।

आई एस ने इराक़ और सीरिया में उस समय के सांप्रदायिक तनावों और तत्कालीन कमज़ोर शासन का फ़ायदा उठाया, विशेष रूप से अल्पसंख्यक सुन्नी समुदाय की उन शिकायतों व समस्याओं को भुनाया जो शिया-प्रधान सरकारों से नाख़ुश थे।

आईएस की क्रूरता से भरे उस दौर में आने वाले वीडिओज़ पूरे विश्व में इस्लाम की छवि को धूमिल कर रहे थे। और सशस्त्र आई एस बग़दाद पर लगभग पूर्ण नियंत्रण हासिल कर चुकने के बाद सामरा व मोसूल जैसे ऐतिहासिक व पवित्र शहरों पर क़ब्ज़ा जमाते हुये भारी बमबारी व हत्याएं करते हुये करबला और नजफ़ पर अपनी गिद्ध दृष्टि गड़ा चुका था।

इसी बीच शिया इस्लाम के प्रमुख धार्मिक विद्वानों में से एक आयतुल्लाह अली अल-सीश्तानी, जोकि उस समय इराक के नजफ़ में ही रहते थे, ने 2014 में आई एस के विरुद्ध 'जिहाद' शुरू करने का फ़तवा जारी कर दिया। इस फ़तवे में आयतुल्लाह सीश्तानी ने सभी इराक़ी नागरिकों, विशेष रूप से शिया समुदाय, से आई एस के विरुद्ध हथियार उठाने और देश की रक्षा करने का आह्वान किया।

आयतुल्लाह ने सुन्नी समुदाय को भी इस लड़ाई में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इसे 'वाजिब किफ़ायी' (सामूहिक कर्तव्य) जिहाद के रूप में वर्णित किया। जिसका अर्थ था कि यह हर सक्षम व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह देश और धार्मिक स्थलों की रक्षा के लिए तब तक लड़े, जब तक कि पर्याप्त संख्या में लोग इस कर्तव्य को पूरा न करें।

आयतुल्लाह सीश्तानी ने अपने फ़तवे में कहा कि आई एस के विरुद्ध लड़ना न केवल धार्मिक कर्तव्य है, बल्कि इराक़ की संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी यह नितांत आवश्यक है। उन्होंने जिहादी स्वयंसेवकों से इराक़ी सुरक्षा बलों में शामिल होने और आतंकवादियों के ख़िलाफ़ लड़ने का आग्रह किया।

आईएस के विरुद्ध जिहाद के इस फ़तवे के परिणामस्वरूप लाखों इराक़ी, विशेष रूप से शिया युवा स्वयंसेवक के रूप में सामने आए और पॉपुलर मोबिलाइज़ेशन फोर्सेज़ पी एम एफ़ या हशद अल-शाबी का गठन हुआ। पी एम एफ़ ने इराक़ी सेना के साथ मिलकर आई एस के विरुद्ध तिकरित, फलूजा, और मोसुल की मुक्ति कराने जैसी कई महत्वपूर्ण लड़ाइयों में हिस्सा लिया।

आयतुल्लाह सीश्तानी ने पी एम एफ़ और अन्य लड़ाकों को यह निर्देश दिया कि वे युद्ध के दौरान क्रूरता या बदले की भावना से काम न करें, बल्कि इस्लामी नैतिकता और क़ानून का पालन करें। आयतुल्लाह सीश्तानी का जिहाद का आह्वान रक्षात्मक प्रकृति का था।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह जिहाद आक्रामक नहीं, बल्कि आत्मरक्षा और धार्मिक स्थलों, जैसे नजफ़ और करबला में पवित्र रौज़ों की रक्षा के लिए था। उन्होंने यह भी ज़ोर दिया कि लड़ाई में शामिल लोगों को मानवाधिकारों और युद्ध के इस्लामी नैतिक नियमों का पालन करना चाहिए।

जैसे कि किसी गैर-लड़ाकों को नुक़सान न पहुंचाया जाये। इस दौरान सीश्तानी ने अपने संदेशों में बार-बार शिया-सुन्नी एकता पर बल दिया और कहा कि आई एस न केवल शिया समुदाय, बल्कि सभी इराक़ियों और मानवता व इस्लाम के लिए ख़तरा है।

आईएस ने 2014-15 में इराक़ और सीरिया में अपने क़ब्ज़े वाले क्षेत्रों में यज़ीदी, ईसाई, और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की हज़ारों महिलाओं और लड़कियों को भी अग़वा किया था।

ख़ासकर अगश्त 2014 में सिंजार पर हमले के दौरान लगभग 7,000 यज़ीदी महिलाओं और लड़कियों को बंधक बनाया गया था। इनमें से कई को 'सेक्स स्लेव' के रूप में बेचा गया अनेक को सामूहिक बलात्कार का शिकार बनाया गया व क्रूर यातनाएं दी गईं।

इस दौरान पी एम एफ़ द्वारा कई यज़ीदी और अन्य समुदायों की महिलाओं को आई एस की क़ैद से छुड़ाया गया। पी एम एफ़ ने मोसुल के आसपास के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, विशेष रूप से तल अफ़ार जैसे क्षेत्रों में, जहां यज़ीदी महिलाओं को क़ैद में रखा गया था। पी एम एफ़ ने तिकरित, फ़ालुजा, और रामादी जैसे शहरों में भी आई एस के विरुद्ध कई बड़े अभियान चलाए।

इन अभियानों के दौरान भी बंधक बनाई गई महिलाओं को मुक्त कराया गया। हालांकि यज़ीदी समुदाय की अधिकांश महिलाएं सीरिया के रक्का जैसे क्षेत्रों में ले जाई गई थीं, जहां उनकी मुक्ति के लिए अलग-अलग प्रयास किए गए।

आई एस ने महिलाओं को गुलाम बाज़ारों में बेचा, और कई को सीरिया के रक्का और अन्य क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दिया।

जिहाद के फ़तवे में पॉपुलर मोबिलाइज़ेशन फोर्सेस (पीएमएफ) को यह निर्देश भी दिया गया था कि वे समश्त अपहृत महिलाओं को क्रूर आई एस के चंगुल से चाहे संघर्ष कर उन्हें मुक्त करायें या उन गुलाम बाज़ारों से ख़रीद कर उन्हें मुक्त कराकर उन्हें सुरक्षित व ससम्मान उनके घरों तक पहुंचाएं। और 'जिहादियों' द्वारा वैसा ही किया गया। आज पूरे इराक़ में जहाँ आईएस के ज़ुल्म व बर्बरियत के निशान के रूप में जगह जगह खंडहर व विध्वंस दिखाई देता है वहीं वातविक जिहाद के परिणाम की गवाही इराक़ में वापिस लौटी शांति और वहां के धर्मस्थलों पर सभी धर्मों व विश्वास के लोगों के 24 घंटों लगातार आने वाले लाखों लोगों के जन समुद्र से फैली रौनक़ दे रही है।

मैंने स्वयं देखा है कि आज भी उस समय के अनेक शहीद जिहादी, लाशों की शिनाख़्त होने के बाद प्रतिदिन नजफ़ में हज़रत अली के रौज़े पर और करबला में हज़रत इमाम हुसैन के रौज़े पर ताबूत में रखकर लाये जाते हैं और इन रौज़ों की परिक्रमा के बाद और नजफ़ स्थित विश्व के सबसे बड़े क़ब्रिश्तान वादी अल-सलाम में दफ़्न किये जाते हैं।

पूरे इराक़ में राजमार्ग पर जिहाद के दौरान अपनी जान देने वाले शहीदों के हज़ारों चित्र खम्बों व फ़्लेक्स के रूप में लगे मिलेंगे। पूरा इराक़ उन शहीदों को इसतरह श्रद्धांजलि भेंट कर रहा है।

यह भी पता चलता है इराक़ जैसे देश की तरक़्क़ी व वहां की धार्मिक व सामुदायिक एकता आख़रि पश्चिमी देशों की नज़रों में क्यों खटकती रहती है। कुछ ऐसा था नतीज-ए-जिहाद, जैसा मैंने इराक़ में देखा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा

फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

ऐसे घेरकर झपटी मौत: पहले महिला को सांड़ ने पटका, उससे बची तो सड़क हादसे ने ले ली जान

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ की अतरौली कोतवाली के गांव चपौटा में एक महिला गुड्डी देवी (50) पर 13 जून शाम सांड़ ने हमला कर दिया और उन्हें उठाकर पटक दिया। रात में इलाज कराने के बाद पति और पुत्र उन्हें लेकर बाइक से घर लौट रहे थे, तभी अतरौली में अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत हो गई। इस हादसे में महिला के पति और पुत्र भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं और उन्हें उपचार के लिए जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

गुड्डी देवी चपौटा निवासी इंद्रजीत सिंह की पत्नी थी। 13 जून शाम उनके खेत में मक्का निकासी हो रही थी। शाम करीब पांच बजे इंद्रजीत और उनका बेटा प्रेम उर्फ शेरा ट्रैक्टर-ट्राली में मक्का लादकर घर रखने चले गए, गुड्डी देवी खेत पर ही थी। ग्रामीणों के अनुसार इस दौरान एक सांड़ खेत पर पहुंच गया। गुड्डी देवी ने उसे भगाने की कोशिश की तो उसने उनपर हमला कर दिया। शोर सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग लाठी डंडे लेकर दौड़े और सांड़ को भगाया।

इसकी सूचना पर इंद्रजीत और उनका पुत्र शेर बाइक लेकर खेत पर पहुंचे और वहां से घायल गुड्डी देवी को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अतरौली पर लेकर पहुंचे। उनका इलाज कराने के बाद रात करीब दस बजे ये तीनों बाइक से घर लौट रहे थे। अतरौली में रामघाट रोड पर स्थित गैस एजेंसी के पास कोई अज्ञात वाहन इनकी बाइक में टक्कर मारकर भाग गया। पुलिस का कहना है कि महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अभी घटना के संबंध में तहरीर नहीं दी गई है।

बद्रीनाथ धाम से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार अनियंत्रित होकर शौचालय में घुसी, एक की मौत और 4 घायल

पीलीभीत , एजेंसी। बद्रीनाथ धाम से परिवार के साथ लौट रहे कार सवार लखीमपुर जिले के रहने वाले परिवार की कार माधोटांडा-खटीमा मार्ग पर मल्लपुर गांव के पास अनियंत्रित होकर घर के बाहर बने शौचालय से टकरा गई।

हादसे में लखीमपुर कोतवाली क्षेत्र के संकटाह चौकी क्षेत्र के निवासी आशीष कुमार श्रीवास्तव 45 पुत्र हृदय नारायण श्रीवास्तव की मौत हो गई। जबकि ससुर विजय नाथ श्रीवास्तव, पत्नी अंकिता श्रीवास्तव, पुत्री पलक व पुत्र भी घायल हुआ है।

सूचना पर पहुंची माधोटांडा पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को माधोटांडा सीएचसी भेजा। जहां अंकिता को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। नींद की झपकी आने से हादसा होने की बात सामने आ रही है। थाना प्रभारी अशोक पाल ने बताया कि घायलों का उपचार कराया गया है। सूचना परिजनों को दी गई है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

प्रयागराज में बिजली गिरने से एक ही परिवार के चार लोग जिंदा जले

प्रयागराज , एजेंसी। बारा थाना क्षेत्र के सोनवर्षा हल्लाबोल गांव में बीतीरात बिजली गिरने से चार लोग जिंदा जल गए। चारपाई पर सो रहे दंपती और उनकी दो बेटियों की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर मौत का मंजर देखकर हर कोई सिहर गया। एक ही झटके में पूरा परिवार खत्म हो गया। सूचना पाकर तमाम अधिकारी स्थानीय पुलिस बल के साथ पहुंच गए। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

वीरेंद्र वनवासी (35) पुत्र छोटे वनवासी, पार्वती वनवासी (32) पत्नी वीरेंद्र वनवासी, राधा वनवासी (3) पुत्री वीरेंद्र वनवासी और करिश्मा वनवासी (2) पुत्री वीरेंद्र वनवासी एक ही मड़ई में दो चारपाई पर सो रहे थे। रात में मौसम खराब होने के बाद तेज आवाज के साथ बिजली गिर गई। मड़ई पर गिरी बिजली ने एक ही झटके में वीरेंद्र वनवासी समेत उसके पूरे परिवार को समाप्त कर दिया। मड़ई समेत चारपाई भी जलकर राख हो गई। मौके पर जली लाशें देखकर हर कोई सिहर गया। घटना देर रात हुई। सोनवर्षा गांव में बिजली गिरने से अकाल मौत के शिकार हुए दंपती को चार बेटियां हैं। दो बेटियों की मौत दंपती के साथ ही हो गई, जबकि दो अन्य बेटियां दादा के पास घर पर होने के कारण बच गईं।

मंत्री को बताया था...नहीं कटती है बिजली, रैंकिंग में 75 में 72वां स्थान; जनता परेशान

वाराणसी, एजेंसी। सीएम डैश बोर्ड अप्रैल माह की रैंकिंग में दैनिक विद्युत आपूर्ति घंटे-शहरी श्रेणी में बिजली विभाग को 10 में एक नंबर मिला है। जबकि प्रदेश के 75 जिलों 72वां स्थान मिला है। वहीं पिछले दिनों जब ऊर्जा मंत्री एके शर्मा काशी आए थे। उन्होंने बिजली व्यवस्था का निरीक्षण किया था तो विभाग के अफसरों ने कहा था कि व्यवस्थाएं इतनी अच्छी हो गई हैं कि उन्हें शटडाउन नहीं लेना पड़ता है। कोई ट्रिपिंग भी नहीं होती है। जबकि सीएम डैश बोर्ड की रैंकिंग विभाग की पोल खोल रही है। इन नंबरों के साथ विभाग को ई ग्रेड मिला है। यह सबसे निचली ग्रेड है।

रिपोर्ट के अनुसार दैनिक निर्धारित विद्युत घंटे-शहरी (मिनट) 43,200 हैं। विभाग ने इसके सापेक्ष 41, 609 की आपूर्ति की है। इससे वाराणसी की विद्युत आपूर्ति का प्रतिशत 96.32 प्रतिशत रहा है, जबकि मार्च में लक्ष्य के सापेक्ष 99.93 फीसदी आपूर्ति रही थी। अप्रैल में रैंकिंग 72 रही जबकि मार्च में 26 रही थी। बता दें कि प्रदेश के सबसे निचले पायदान पर रहने वाले जिलों में गाजीपुर, चंदौली, जौनपुर, वाराणसी और प्रयागराज शामिल हैं।

शहर से गांव तक कटौती, ट्रिपिंग से जूझ रहे लोग = भीषण गर्मी में बिजली कटौती से पूरा जिला ही जूझ रहा है। यह रैंकिंग तो शहरी क्षेत्र की जारी हुई है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र का हाल भी खराब है। चौबेपुर, चिरईगांव, छाईगांव, रोहनिया के साथ राजातालाब और शहर में नरिया, लंका, सारनाथ, आदित्यनगर, करौली और सुंदरपुर, महेशपुर, चौक आदि इलाकों में पिछले चार दिन से दिन में तो ट्रिपिंग हो ही रही है लेकिन सबसे अधिक रात में ट्रिपिंग हो रही है।

हालांकि ट्रांसफार्मर की खराबी की शिकायतों के मामले में अप्रैल माह में विभाग को ए प्लस ग्रेड मिला है। विभाग को एक महीने में 236 आवेदन मिले, इसमें सभी का निस्तारण कर दिया और विभाग को 10 में 10 नंबर मिले।

देर रात तक आधे शहर में गुल रही बिजली

जिले में बिजली का संकट बढ़ता ही जा रहा है। मेन सप्लाई बाधित होने से आधे शहर की बिजली गुल देर रात तक गुल रही। सड़कों पर अंधेरा छाया रहा। इस बीच शनिवार को मैदागिन इलाके में दोपहर 1.30 बजे से रात 9.30 बजे के बीच छह बार बिजली कटी। कभी 15 मिनट तो कभी आधे घंटे तक की कटौती से लोग परेशान हो गए। वहीं देर रात मंडुवाडीह रोडपर कटौती से अंधेरा छाया रहा। उधर, ग्रामीण इलाकों में भी बिजली का आना जाना जारी रहा। दिन के मुकाबले रात में सर्वाधिक बिजली कट रही है, इस वजह से लोगों को रात भी जागकर गुजारनी पड़ रही है।

पिछले साल जून महीने में 800 से 830 मेगावाट बिजली खपत थी, जो कि इस साल दो दिन में 880 मेगावाट तक पहुंच गई है। इस बीच शनिवार को वरुणापार इलाके में भोजुबीर, पांडेयपुर, मैदागिन, चौक, आदित्यनगर करौंदी, नरिया सहित अन्य इलाकों में बिजली की आवाजाही जारी रही। चौबेपुर के गरथौली विद्युत उपकेंद्र से जुड़े गांवों पलकहां, गरथौली,अजांव,परानापुर, कादीपुर कलां,आदि कई गांवों में दोपहर में दो घंटे बिजली बाधित रही। शाम साढ़े सात बजे के बाद लाइन बार बार ट्रिप करने के बाद आती जाती रही जिससे लोग परेशान रहे।

बिजली चोरी में 15 लोगों पर मुकदमा, 183 के कनेक्शन काटे गए : जिले में बिजली की खपत अचानक औसत से अधिक होने के बाद बिजली निगम ने कार्रवाई शुरू कर दी है। शनिवार को शहर से लेकर गांव तक बिजली चोरी रोकने के साथ ही बकायेदारों का कनेक्शन काटने का अभियान चला। कुल 15 लोगों पर बिजली चोरी का मुकदमा करवाया गया जबकि 183 लोगों का कनेक्शन काटा गया। इसमें लोगों ने मौके पर बकाये को भी जमा किया।

डंडे और चाकू से किए वार... फिर फावड़े से काटा, हितेंद्र के सिर पर सवार था खून, बेटी ने बताई पूरी कहानी

कासगंज , एजेंसी। कासगंज में पत्नी को ले जाने से गुस्साए युवक ने साथियों के साथ मिलकर पत्नी के प्रेमी की मां की फावड़े से गला काटकर हत्या कर दी। हमलावरों ने शनिवार सुबह घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। महिला को बचाने पहुंची उसकी बेटी को भी हमलावरों ने घायल किया है।

महिला चंद्रकली को जिस बेरहमी से मौत के घाट उतारा गया। वह मंजर रोंगटे खड़ा कर देना वाला था। मृतका चंद्रकली की बेटी और वारदात की चश्मदीद मंजू ने बताया कि हितेंद्र के सिर पर खून सवार था। उसने घर में घुसते ही मां चंद्रकली पर पहले डंडे से वार किए।

फिर चाकू से पीठ और गर्दन के पास वार किए। इतने से भी उसका गुस्सा शांत नहीं हुआ था तो पास में रखा फावड़ा उठाकर चंद्रकली पर वार कर दिया। वह मां को बचाने के लिए मौके पर पहुंची तो हितेंद्र ने उस पर भी हमला कर दिया। उसके सिर पर भी चोट लगी है। वहां का मंजर देखकर वो इतना घबरा गई कि वहां से भाग निकली और डायल 112 पर कॉल करके पुलिस बुला ली।

बेटी मंजू का कहना है कि अगर वो वहां से नहीं भागती तो हितेंद्र उसकी भी हत्या कर सकता था। पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मंजू की आंखों में वारदात खौफ साफ दिखा। मंजू ने बताया कि वह वारदात के समय इतना डर गई थी कि उसे नानी अनारदेवी तक की सुध नहीं रही जो चंद्रकली को बचाने के दौरान धक्का-मुक्की में गिर गई थी। सूचना पर पुलिस पहुंची तो वह मां को एंबुलेंस से लेकर सीधा सीएचसी चली गई।

अति पिछड़ी जातियों को जोड़ रही कांग्रेस, अनिल जयहिंद बोले- आबादी के हिसाब से दिलाएंगे हिस्सेदारी

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस अति पिछड़ी जातियों को गोलबंद करेगी। इन जातियों को सियासी गुलदस्ते के रूप में सजाकर सियासी ताकत बढ़ाएगी। इसकी शुरुआत शनिवार को कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित भागीदारी न्याय महासम्मेलन से की गई है। महासम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जयहिंद ने कहा कि कांग्रेस हर व्यक्ति को हिस्सेदारी दिलाने के लिए तत्पर है। अब आबादी के हिसाब से हिस्सेदारी मिलेगी।

उन्होंने कहा कि देशभर के 90 प्रतिशत पिछड़े, दलित आदिवासी, अल्पसंख्यक समाज के साथ प्रतिदिन शोषण हो रहा है। उनके शोषण का प्रमुख कारण आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा, सभी संवैधानिक संस्थाओं के सभी स्तर के पदों में आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी ना होना है। देश के सभी संसाधनों में आबादी के हिसाब से हिस्सेदारी होनी चाहिए।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में निश्चित रूप से बहुजन समाज के लोगों को हिस्सेदारी और न्याय मिलेगा। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि 2025 का वर्ष कांग्रेस पार्टी का संगठन सृजन का वर्ष है। सामाजिक न्याय संगठन सृजन का प्रमुख आधार बिंदु है। संगठन के सभी स्तरों में सभी वर्गों के लोगों को उनकी आबादी के अनुपात में पद और जिम्मेदारी देने के लिए कांग्रेस प्रतिबद्ध है। 60 फीसदी से अधिक पदों पर पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यकों को हिस्सेदारी दी जाएगी।

सांप्रादायिकता को जड़ से समाप्त करने के लिए एकजुट हों: प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने कहा कि सभी वर्गों का हित तभी सुरक्षित हैं, जब संविधान सुरक्षित और मजबूत रहेगा। इसलिए सभी वर्गों का यह दायित्व है कि आर्थिक असामानता, जातीय शोषण, सांप्रादायिकता को जड़ से समाप्त करने के लिए एकजुट हों।

प्रदेश में बदला मौसम, अवध-पूर्वांचल के कई जिलों में छाए बादल, अब नहीं चलेगी लू; 17 जून से होगी बारिश

लखनऊ , एजेंसी। यूपी के मौसम में मामूली बदलाव हुआ है। रविवार को राजधानी लखनऊ सहित पूर्वी और अवध के कई जिलों में सुबह से तीखी धूप निकलने के बजाय हल्के बादल हैं। सुबह से चलने वाली गर्म हवा का भी प्रकोप कम हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक 17 जून से पूर्वी और 19 जून से पश्चिमी यूपी में बारिश के आसार हैं। तभी कुछ राहत की मिलेगी। इस बीच रविवार से अगले पांच दिन तक प्रदेश में लू नहीं चलने का अनुमान है। इससे भी तपिश से थोड़ा सुकून मिलने की उम्मीद है।

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से प्रदेश में पुरवा हवाएं चलेंगी। इससे 15 जून से छिटपुट बूंदाबांदी का दौर शुरू होगा। फिर 17 जून से पूर्वी और 19 जून से पश्चिमी यूपी में भारी बारिश के आसार हैं। तराई इलाकों को छोड़कर अन्य स्थानों पर पड़ रही उमस भरी गर्मी अगले 1-2 दिनों तक जारी रहने के आसार हैं। रविवार से लू की स्थिति प्रदेश में कमजोर होगी।

प्रयागराज रहा सबसे गर्म, कई जिलों में लू का प्रभाव: प्रदेश में शनिवार को प्रयागराज 45 डिग्री तापमान के साथ सबसे गर्म रहा। वहीं बांदा में 44.8, कानपुर में 44.9, वाराणसी में 43, आगरा में 43.6, सुल्तानपुर में 42.6, लखनऊ में 42.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। बहराइच, बरेली, झांसी और गोरखपुर में भी अधिकतम तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहा। मौसम विभाग के अनुसार पुरवा हवा के चलते बुंदेलखंड में शनिवार को तापमान में कुछ कमी दर्ज की गई। इसके चलते पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लू के थपेड़ों से थोड़ी राहत मिली।

यहां गरज-चमक और वज्रपात की चेतावनी: बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रवि दास नगर, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी और ललितपुर।

प्रयागराज रहा सबसे गर्म

उत्तर प्रदेश में शनिवार को प्रयागराज सबसे गर्म जिला रहा। यहां पर अधिकतम तापमान 45 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं बांदा में 44.8 डिग्री, कानपुर में 44.9, वाराणसी में 43 डिग्री, आगरा में 43.6 डिग्री, सुल्तानपुर में 42.6, लखनऊ में 42.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। बहराइच, बरेली, झांसी और गोरखपुर में भी अधिकतम तापमान 40 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पुरवा हवा की प्रतिक्रिया के फलस्वरूप बुंदेलखंड में शनिवार को तापमान में कुछ कमी दर्ज की गई। इसके चलते पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लू के थपेड़ों से थोड़ी राहत मिली। वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश में कोई प्रभावी गतिविधि न होने के कारण तापमान में मामूली वृद्धि की वजह से प्रयागराज, वाराणसी, गाजीपुर, बहराइच और गोरखपुर में लू का प्रभाव देखने को मिला।

तेज रफ्तार कार ने कई लोगों को मारी टक्कर, फिर अंडे के ठेले से टकराई, चालक को पीटा, अस्पताल में भर्ती

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में मूलगंज के पास एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। लोगों ने पीछा किया तो बचने की कोशिश में चालक घंटाघर की ओर भाग निकला। इस दौरान कई वाहनों में टक्कर मारते हुए कार सुतरखाने वाली रोड पर एक अंडे के ठेले से टकराकर रुक गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का रिम तक टूट गया। घटना से गुस्साए लोगों ने चालक को लाठी-डंडों से जमकर पीट दिया। कार में भी तोड़फोड़ की। पुलिस ने चालक व घायल राहगीरों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

शनिवार देर रात मूलगंज की ओर से काले रंग की तेज रफ्तार एमजी की विंडसर कार दो वाहन सवारों को टक्कर मारते हुए निकल गई। राहगीरों ने कार का पीछा किया तो बचने की कोशिश में चालक तेजी से कार को भगाते हुए कलक्टरगंज की ओर ले गया। यहां पर कुछ लोगों को टक्कर मारते हुए घंटाघर की ओर भाग निकला। घंटाघर से सुतरखाने वाली रोड पर अंडे के ठेले में टक्कर मारने के बाद रिम टूटने की वजह से कार रुक गई। कार के रुकते ही लोगों ने चालक के साथ मारपीट कर दी।

मनकामेश्वर मंदिर में जींस, पैंट, स्कर्ट में पूजा करने पर लगेगी पाबंदी, सावन से लागू होगा ड्रेस कोड

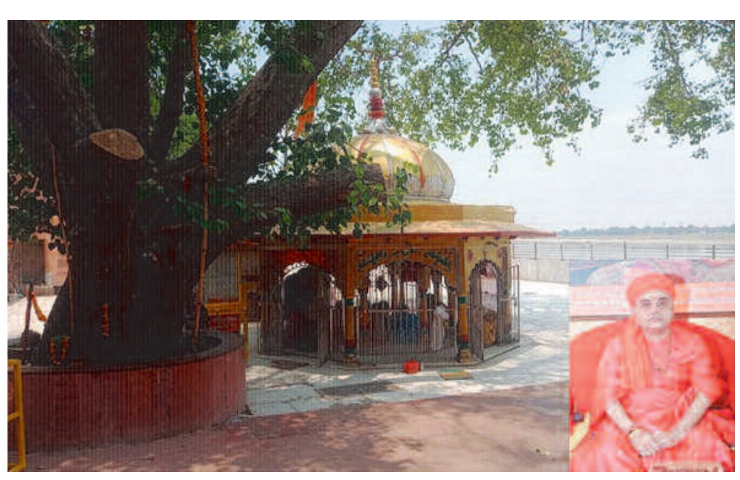

प्रयागराज, एजेंसी। यमुना किनारे स्थित मनकामेश्वर मंदिर में सावन माह से भक्तों के लिए ड्रेस कोड अनिवार्य होगा। इसके तहत पुरुषों को धोती पहनकर ही मंदिर में पूजन-अभिषेक करना होगा। धोती के साथ वो शर्ट और कुर्ता पहन सकते हैं। इसी तरह महिलाओं को साड़ी या सलवार सूट पहनकर ही पूजन-अभिषेक करना होगा यानी जींस, पैंट, स्कर्ट जैसे कपड़े पहनकर मंदिर में पूजन पर पाबंदी होगी। मंदिर प्रशासन ने पूजन-अभिषेक के दौरान धार्मिक परंपराओं को नियमपूर्वक कराने के लिए यह फैसला लिया है। मंदिर के सभी पुजारियों को इस नियम का सख्ती से पालन करवाने के निर्देश हैं।

श्री मनकामेश्वर मंदिर के महंत ब्रह्मचारी श्रीधरानंद महाराज ने बताया कि पूजन-अर्चन में वस्त्र का विशेष महत्व होता है। आराध्य के पूजन-अभिषेक के लिए बिना सिले हुए वस्त्र ही पहनने चाहिए। धोती बिना सिला हुआ वस्त्र होता है और इसे पवित्र माना जाता है। इस कारण 11 जुलाई से शुरू हो रहे सावन से पूजन-अर्चन के लिए नए नियमों का पालन सभी के लिए जरूरी होगा। सावन में लागू की गई व्यवस्था आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि श्री मनकामेश्वर मंदिर में पूजन-अभिषेक के लिए आने वाले भक्त अगर खुद की धोती पहनकर नहीं आते हैं तो उनके लिए भी व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए मंदिर प्रशासन निशुल्क धोती उपलब्ध कराएगा। विधि-विधान से पूजन-अभिषेक के बाद धोती मंदिर प्रशासन को वापस करना होगा।

दरअसल, श्री मनकामेश्वर मंदिर भगवान शिव का अति प्राचीन मंदिर है। हर दिन यहां बड़ी संख्या में भक्त दूरदराज से पहुंचते हैं। सोमवार के दिन यहां दिनभर भक्तों का तांता लगा रहता है। वहीं सावन में दूरदराज से भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। मान्यता है कि मनकामेश्वर मंदिर में विधि-विधान से पूजन-अर्चन करने पर भगवान शिव भक्तों की हर इच्छा पूरी करते हैं।

नीट 2025: यूपी में एमबीबीएस की 11850 सीटों पर होगा दाखिला, अनंत और मुक्तेश तन्मय ने बढ़ाया शहर का मान

लखनऊ, एजेंसी। नीट यूजी में प्रदेश के 1.70 लाख से अधिक अभ्यार्थी सफल हुए हैं, जबकि यहां सरकारी और निजी क्षेत्र की एमबीबीएस की 11850 सीटें हैं। कुछ छात्र राष्ट्रीय संस्थानों में दाखिला लेंगे तो कुछ दूसरे राज्यों से भी उत्तर प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों में पहुंचेंगे।

प्रदेश में केजीएमयू, लोहिया संस्थान सहित सरकारी क्षेत्र के 44 मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 5250 सीटें हैं। इसी तरह निजी क्षेत्र के 36 कॉलेजों में 6600 सीटें हैं। इसी तरह केजीएमयू में डेंटल की 70 सीटें हैं, जबकि निजी क्षेत्र के 22 कॉलेजों में 2150 सीटें हैं। हालांकि अंतिम समय में कुल कॉलेजों से सीटें बढ़ अथवा घट भी सकती हैं। क्योंकि अभी राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग की ओर से कॉलेजों की सीटों को अंतिम रूप देने की कवायद चल रही है। एमबीबीएस और बीडीएस की काउंसिलिंग के बाद लो मेटिट वाले छात्रों को आयुष कॉलेजों में दाखिला मिलेगा। आयुष कॉलेजों में सरकारी और निजी क्षेत्र की कुल करीब 7500 सीटें हैं। इन सीटों को भी मान्यता देने की कवायद अभी चल रही है। काउंसिलिंग शुरू होने तक करीब 500 सीटें बढ़ने की उम्मीद है।

लखनऊ के मुक्तेश यूपी टॉपर, अनंत सेकेंड टॉपर : नीट यूजी 2025 में लखनऊ के मुक्तेश तन्मय ऑल इंडिया 36वीं रैंक हासिल कर यूपी में पहले पायदान में रहे। उन्होंने 720 में से 661 अंक हासिल किए और जनरल वर्ग में 28वें स्थान पर जगह बनाई। हालांकि, नोएडा के हर्ष केदावत ऑल इंडिया 9वीं रैंक हासिल कर मुक्तेश से आगे रहे, लेकिन उनका चयन दिल्ली (एनसीटी) राज्य के तहत है। इसलिए मुक्तेश को उत्तर प्रदेश का टॉपर माना जा रहा है। इसी तरह लखनऊ के ही अनंत चौरसिया ऑल इंडिया 44वीं रैंक का मुकाम हासिल कर प्रदेश में सेकेंड टॉपर रहे। वहीं, अयोध्या के परसपुरसथरा निवासी अनूप तिवारी ने देश भर में 59वां स्थान पाया। अनूप ने अपनी सफलता का श्रेय मेहनत और अनुशासन के साथ परिजनों और शिक्षकों को दिया है। मुक्तेश तन्मय ने कहा कि मैंने लक्ष्य साधकर पढ़ाई की। पढ़ाई के घंटे तय नहीं किए और जो अच्छा लगा वह पढ़ा। जब पढ़ने बैठा तो चैप्टर खत्म करके ही उठा। मुझे और अच्छी रैंक आने की उम्मीद थी, पर परीक्षा काफी कठिन थी। एम्स दिल्ली से एमबीबीएस की पढ़ाई करने की इच्छा है। अभी विशेषज्ञता के लिए कुछ तय नहीं किया है। मेरे पिता संजय कुमार फतेहपुर के केंद्रीय विद्यालय में प्रधानाचार्य और मां निर्मला गृहिणी हैं। नीट की तैयारी कर रहे युवाओं से कहूंगा कि समय का प्रबंधन कर पढ़ाई करें। इस बार की परीक्षा में यह ज्यादा व्यावहारिक दिखा। ऐसे सवाल पूछे गए, जिनमें ज्यादा समय लगा। ऐसे में प्रश्नपत्रों के अभ्यास पर अधिक ध्यान दें। सिलेबस को देखकर घबराए नहीं। सिलेबस को समय से पहले खत्म करें, ताकि तैयारी का ज्यादा मौका मिले। यह कतई नहीं कहूंगा कि इंटरनेट या समाज से कट जाएं। सोशल मीडिया का इस्तेमाल पढ़ाई के लिए करें।

सेल्फ स्टडी, मॉक टेस्ट ने दिलाई सफलता : अनंत : परीक्षा की तैयारी के दौरान सेल्फ स्टडी करने के साथ खूब मॉक टेस्ट दिए। इसने नीट में सफलता दिलाने में योगदान दिया। इसके अलावा कोचिंग में जो पढ़ाया जाता था, उसका घर पर रिवीजन जरूर करता था। रोजाना औसतन 10 घंटे पढ़ाई की। मेरे पिता बृजेश कुमार बैंक मैनेजर थे। वर्ष 2020 में उनका निधन हो गया। मां प्रमिला कुमारी बैंक में क्लर्क हैं। प्रतिष्ठित मेडिकल संस्थान से एमबीबीएस की पढ़ाई करना चाहता हूं। बेहतर डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करूंगा।

सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन की होने जा रही है शादी?

नई दिल्ली, एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन को लेकर एक खबर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि काव्या जल्द ही शादी करने जा रही हैं. उनके होने वाले पति अनिरुद्ध रविचंदर हैं, जो फेमस म्यूजिक कंपोजर हैं. अब इस पर किसी और की नहीं बल्कि खुद अनिरुद्ध की प्रतिक्रिया आई है. उन्होंने इसकी सच्चाई सबको बता दी है. काव्या मारन सनराइजर्स हैदराबाद के मालिक की बेटी हैं, जो आईपीएल के ऑक्शन से लेकर टीम के हर मैच में नजर आती हैं. 2024 की रनर-अप हैदराबाद इस बार लीग स्टेज से ही बाहर हो गई थी. काव्या की बात करें तो इंस्टाग्राम या किसी अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनका कोई आधिकारिक अकाउंट नहीं है. वह सिर्फ आईपीएल मैचों के दौरान ही नजर आती हैं. सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि दोनों को एक डिनर डेट पर देखा गया. कहा गया कि पिछले 1 साल से काव्या और अनिरुद्ध डेट कर रहे हैं और जल्द ही शादी करने जा रहे हैं.

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराकर यूरोप में अपना अपराजेय अभियान जारी रखा

कोटिंच, एजेंसी। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे में अपना अपराजेय अभियान जारी रखते हुए चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हरा दिया। मेजबान बेल्जियम को लगातार तीन मैच हराने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम का मैच मुश्किल माना जा रहा था। लेकिन ऑस्ट्रेलिया पर जीत दर्ज कर भारतीय टीम ने अपनी मजबूती का एहसास कराया और बताया कि बेल्जियम के खिलाफ जीत कोई तुक्का नहीं थी। भारतीय महिला जूनियर टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उस दिन जीत हासिल की है, जिस दिन पुरुष और महिला सीनियर टीम को इसी टीम के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया की जोसी लॉटन ने पांचवें मिनट में गोल कर बढ़त बनाई। यह गोल पेनल्टी कॉर्नर के जरिए हुआ। भारतीय टीम ने सिर्फ तीन मिनट बाद इसका जवाब दिया। नंदिनी ने आठवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के जरिए ही गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। पहले क्वार्टर के अंत में भारत की उप कप्तान हिना बानो ने 14वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर का फायदा उठाकर गोल किया और टीम को 2-1 से आगे कर दिया। शेष तीन क्वार्टर में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। भारतीय टीम ने अपनी रक्षात्मक क्षमता को मजबूत बनाए रखी और निर्धारित समय सीमा में ऑस्ट्रेलिया को गोल का मौका न देते हुए एक शानदार जीत हासिल की। यह दौरे पर भारत की लगातार चौथी जीत है। इससे पहले भारत ने लगातार तीन मैच बेल्जियम के खिलाफ जीते थे। भारतीय टीम 17 जून को इस दौरे का अपना आखिरी मैच नीदरलैंड के खिलाफ खेलेगी। इस मैच में जीत के साथ भारतीय टीम अपने दौरे का समापन यादगार तरीके से करना चाहेगी।

बोरसे-बाबूता की जोड़ी ने वर्ल्डकप में गोल्ड जीता

10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड इवेंट में पहले स्थान पर रहे, भारत तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी। बोरसे और अर्जुन बाबूता की भारतीय जोड़ी ने वर्ल्ड कप में 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड इवेंट में चीनी जोड़ी को 17-7 से हरा कर गोल्ड मेडल जीता। आर्य बोरसे और अर्जुन बाबूता की भारतीय जोड़ी ने शनिवार को बर्लिन में खेले जा रहे ढ्ढस्स्न्न(इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन) वर्ल्ड कप में भारत को दूसरा गोल्ड दिलाया। उन्होंने 10 मीटर एयर राइफल के मिक्स्ड इवेंट में चीन के जिफेई वांग और लिहाओ शेंग को 17-7 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। नॉर्वे के जीनेट हेग ड्यूस्टैड और जॉन-हरमन हेग ने के सेगेन मैडालेना और पीटर मैथ्यू फियोरी को 16-14 से हरा कर ब्रॉन्ज मेडल जीता।

बोरसे और बाबूता क्वालिफिकेशन में 635.2 के साथ फाइनल में अपना स्थान पक्का किया बोरसे और बाबूता ने पहले 635.2 के क्वालिफिकेशन स्कोर के साथ फाइनल के लिए स्थान पक्का किया। वह दूसरे स्थान पर रहे। बबूता ने क्वालिफिकेशन में 317.7 का स्कोर बनाया जबकि बोरसे ने

317.5 का स्कोर कर। अन्य भारतीय जोड़ी, एलावेनिल वलारिवन और अंकुश जाधव, 631.8 के स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन में छठे स्थान पर रहे। इस साल की शुरुआत में, बोरसे ने पेरू के लीमा में वर्ल्ड कप में 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम इवेंट में रुद्राक्ष पाटिल के साथ मिलकर सिल्वर मेडल हासिल किया था। भारत पॉइंट टेबल में तीसरे स्थान पर बर्लिन में खेले जा रहे वर्ल्ड कप में भारत ने चार मेडल के साथ पॉइंट टेबल में तीसरे स्थान पर है। भारत के लिए आर्य बोरसे और अर्जुन बाबूता की जोड़ी ने जहां 10 मीटर राइफल मिक्स्ड इवेंट में गोल्ड जीता, वहीं सुरुचि ने 10 मीटर एयर पिस्टल में गोल्ड जीता। जबकि सिफ्ट कौर समरा और एलावेनिल वलारिवन ने अपने-अपने व्यक्तिगत इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीते थे।

भारत अब चीन (छह) और नॉर्वे (चार) से पीछे तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। चीन ने तीन गोल्ड, एक सिल्वर और दो ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं, जबकि नॉर्वे ने दो गोल्ड, एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल जीतकर पॉइंट टेबल में टॉप स्थान पर है।

दिल्ली जीएम ओपन

अभिजीत गुप्ता ने चौथा खिताब जीतकर रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर अभिजीत गुप्ता 21वें दिल्ली इंटरनेशनल ओपन ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट (दिल्ली जीएम ओपन) 2025 के निर्विवाद चैंपियन बनकर उभरे। उन्होंने 10 में से 8.5 अंक हासिल कर एशिया के सबसे प्रतिष्ठित ओपन शतरंज इवेंट में रिकॉर्ड चौथा खिताब जीता। 36 वर्षीय गुप्ता ने 10 राउंड में अजेय रहते हुए शानदार प्रदर्शन किया। बेलारूसी जीएम मिहेल निकितेंको पर राउंड 9 में उनकी निर्णायक जीत ने उन्हें बढ़त दिलाई और आईएम अरोण्यक घोष के खिलाफ अंतिम राउंड में ड्रॉ ने उन्हें सीधे खिताब पर पहुंचा दिया।

निकितेंको (2520, बेलारूस) 8 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, उन्होंने भारतीय जीएम दिप्तयान घोष (2573) को टाईब्रेक में पछाड़ दिया। घोष ने तीसरे स्थान पर कब्जा किया, उन्होंने अपने शानदार खेल और जीएम कार्तिक वेंकटरमन पर अंतिम राउंड में महत्वपूर्ण जीत से प्रभावित किया। 8 अंक पर समाप्त होने के बावजूद, आईएम अरोण्यक घोष और जीएम आदित्य एस सामंत टाईब्रेक पर क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। शीर्ष 10 में अनुभवी पेशेवरों और उभरते सितारों का सम्मोहक मिश्रण था। वियतनाम के जीएम गुयेन डुक होआ ने 7.5 अंकों के साथ छठा स्थान हासिल किया, उसके बाद भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त जीएम एसएल नारायणन 7वें स्थान पर रहे। अर्मेनियाई जीएम मैमिकोन घारिब्यान और मैनुअल पेट्रोसियन क्रमशः 8वें और 9वें स्थान पर रहे, दोनों ने 7.5 अंक

हासिल किए। शीर्ष 10 में किर्गिस्तान के आईएम टोलोगोन टेगिन सेमेटेई भी शामिल रहे, जिन्होंने भी 7.5 अंक हासिल किए - जो टूर्नामेंट के विविधतापूर्ण और प्रतिस्पर्धी क्षेत्र को दर्शाता है। दिल्ली शतरंज संघ द्वारा आयोजित, इस वर्ष के संस्करण में 20 से अधिक देशों के 2,500 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें 24 ग्रैंडमास्टर शामिल थे, और इसमें 1.21 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड पुरस्कार पूल था। नई दिल्ली में आयोजित इस टूर्नामेंट ने एक बार फिर शीर्ष और उभरते शतरंज खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को मजबूत किया। इस बीच, छतरपुर के टिवोली गार्डन में आयोजित श्रेणी सी में 1,250 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और कुल पुरस्कार राशि 35 लाख रुपये थी। इस खंड के विजेता तमिलनाडु के दिनेश कुमार एच थे, जिन्होंने 4,00,000 रुपये का शीर्ष पुरस्कार जीता। उनके बाद नैतिक सेठी (3,00,000 रुपये) और सिबी एम (2,00,000 रुपये) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। अन्य उल्लेखनीय पुरस्कार विजेताओं में गीतेश फोगट, साई कृष्णा एस. और एजीएम योगेश कुमार गुप्ता शामिल थे, जो भारतीय शतरंज सर्किट की उल्लेखनीय जमीनी ताकत को दर्शाते हैं।

इस ऐतिहासिक संस्करण के समापन के साथ, अभिजीत गुप्ता का चौथा खिताब न केवल एक व्यक्तिगत मील का पत्थर है, बल्कि वैश्विक शतरंज पारिस्थितिकी तंत्र में भारत के बढ़ते प्रभुत्व का प्रमाण भी है - शीर्ष और जमीनी स्तर दोनों पर।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ का फैसला

चार गुणा 100 मीटर रिले स्पर्धा एशिया खेलों के लिए अहम खेलों में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने 2018 और 2022 एशियाई खेलों में चार गुणा 100 मीटर के रिले स्पर्धा के लिए टीमों नहीं भेजी थी। एएफआई के शीर्ष अधिकारियों को 19 सितंबर से चार अक्तूबर 2026 तक ऐची-नागोया

में आयोजित होने वाले एशियाई खेलों में इन दोनों स्पर्धाओं में पदक की उम्मीद है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए जापान में 2026 एशियाई खेलों के लिए पुरुषों और महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर रिले को प्राथमिकता वाली स्पर्धाओं में शामिल किया है। एएफआई के शीर्ष अधिकारियों को 19 सितंबर से चार अक्तूबर 2026 तक ऐची-नागोया में आयोजित होने वाले एशियाई खेलों में इन दोनों स्पर्धाओं में पदक की उम्मीद है। भारत ने 2018 और 2022 एशियाई खेलों में चार गुणा 100 मीटर के रिले स्पर्धा के लिए टीमों नहीं भेजी थी। एएफआई के पूर्व अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने कहा, एएफआई ने 2026 एशियाई खेलों के लिए पुरुष और महिला चार गुणा 100 मीटर रिले टीमों को प्राथमिकता वाली स्पर्धा में शामिल किया है। रिले टीमों द्वारा लगातार शानदार प्रदर्शन भविष्य के लिए शुभ संकेत है। इस वर्ष अप्रैल में गुरिंदरवीर सिंह, अनिमेष कुजूर, मणिकांत होबलीधर और अमलान बोरगोहेन की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम ने 38.69 सेकेंड का समय लेकर 2010 दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में बनाए गए 38.89 सेकेंड के एक दशक पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया था। पिछले एशियाई खेलों में चीन (38.29 सेकेंड), जापान (38.44 सेकेंड), दक्षिण कोरिया (38.74 सेकेंड) ने शीर्ष तीन में जगह बनाई थी। महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर रिले में अभिनय राजराजन, श्राबनी नंदा, स्नेहा एसएस और नित्या गंधे की टीम ने हाल ही में दक्षिण कोरिया के गुमी में आयोजित एशियाई चैंपियनशिप में 43.86 सेकेंड का समय लेकर रजत पदक जीता।

स्टीव स्मिथ ने उंगली की चोट पर दिया अपडेट, वापसी की योजना का किया खुलासा

लंदन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने अपनी चोट और क्रिकेट में वापसी पर अपडेट दिया है। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान उन्हें उंगली में चोट लग गई थी।

स्मिथ को उम्मीद है कि वे वेस्टइंडीज के खिलाफ कैरेबियाई दौरे पर होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलेंगे। स्टीव स्मिथ के कैच लेने के प्रयास में अपनी उंगली में चोट लग गई और बाद में तीसरे दिन के खेल के दौरान अपनी दाहिनी छोटी उंगली में कम्पाउंड डिस्लोकेशन के बाद उन्हें पास के अस्पताल में एक्स-रे के लिए भेजा गया। स्मिथ के लिए प्रारंभिक रिकवरी काफी अच्छी रही है और 36 वर्षीय खिलाड़ी सर्जरी से बच गए। उनके वेस्टइंडीज के खिलाफ 25 जून से शुरू होने वाली आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलने का मौका है। स्मिथ ने कहा, मैं अब आठ सप्ताह तक स्प्लिंट में रहूंगा और शायद कुछ सप्ताह में मैं इसके साथ खेल सकूं।

यह मेरी कार्यक्षमता और मैं क्या कर सकता हूं, इस पर निर्भर करेगा, इसलिए यह शायद सबसे अच्छा परिणाम था जिसकी मैं उम्मीद कर सकता था।

जब दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क की गेंद पर गेंद को घेरे में ले लिया, तब स्मिथ हेलमेट पहने हुए पहली स्लिप में खड़े थे और ऑस्ट्रेलिया के इस अनुभवी खिलाड़ी ने उस समय बावुमा के केवल दो रन पर होने के बावजूद मौका गंवा दिया। चूके हुए मौके की कीमत ऑस्ट्रेलियाई टीम को चुकानी पड़ी क्योंकि कप्तान ने 66 रन बनाए और सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम के साथ मैच जीतने वाली साझेदारी में अहम भूमिका निभाई।

आईसीसी ने कर दी घोषणा

17 जून से क्रिकेट में होंगे बड़े बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने पुरुषों के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए खेल की परिस्थितियों में बड़े बदलावों की घोषणा की है। टेस्ट मैचों के लिए 17 जून, वन-डे इंटरनेशनल के लिए 2 जुलाई और टी20 इंटरनेशनल के लिए 10 जुलाई को नियम परिवर्तन लागू किए जाएंगे। इन बदलावों की सिफारिश आईसीसी पुरुष क्रिकेट समिति ने की थी और रिपोर्ट के अनुसार मुख्य कार्यकारी समिति ने इन्हें मंजूरी दी थी। मुख्य अपडेट में ओडीआई में गेंदों के इस्तेमाल के बारे में एक नया नियम और कन्कशन सब्सटीट्यूट के लिए एक अपडेटेड प्रोटोकॉल शामिल है।

वनडे मैचों में 34 ओवर के बाद सिर्फ एक गेंद का इस्तेमाल

अब तक वनडे में दोनों छोर से दो नई गेंदों का इस्तेमाल किया जाता रहा है। लेकिन नए नियम के तहत 34वें ओवर के बाद बदलाव होगा। पारी की शुरुआत से लेकर 34वें ओवर के अंत तक दो गेंदों का इस्तेमाल किया जाएगा, दोनों छोर से एक-एक। हालांकि 35वें ओवर से लेकर पारी के अंत तक, गेंदबाजी टीम द्वारा दो में से केवल एक गेंद का चयन किया जाएगा और दोनों छोर से उसका इस्तेमाल किया जाएगा।

अगर मैच शुरू होने से पहले 25 ओवर या उससे कम का हो जाता है, तो शुरू से केवल एक नई गेंद का इस्तेमाल किया जाएगा। बल्लेबाजी और गेंदबाजी के बीच बेहतर संतुलन लाने के लिए आईसीसी ने यह बदलाव किया है।

सभी प्रारूपों में कन्कशन रिप्लेसमेंट के लिए नए नियम

आईसीसी ने कन्कशन सब्सटीट्यूट नियम को भी संशोधित किया है ताकि इसे और अधिक संरचित बनाया जा सके और मैचों के दौरान किसी भी तरह की उलझन से बचा जा सके। अब से टीमों को खेल शुरू होने से पहले मैच रेफरी को पांच संभावित सब्सटीट्यूट खिलाड़ियों की सूची सौंपनी होगी।

भारत-न्यूजीलैंड वनडे और टी-20 सीरीज के शेड्यूल का ऐलान

15 साल बाद इस शहर को मिली मेजबानी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने शनिवार (14 मई) को न्यूजीलैंड के खिलाफ जनवरी 2026 में होने वाली वनडे और टी20 सीरीज के लिए शेड्यूल का ऐलान कर दिया। वडोदरा 15 वर्षों से अधिक समय के बाद पहले पुरुष अंतरराष्ट्रीय मैच की मेजबानी करेगा। न्यूजीलैंड के भारत दौरे की शुरुआत 11 जनवरी को होने वाला पहला वनडे नवनिर्मित कोटम्बी स्टेडियम में होगा, जिसने पहले ही दिसंबर 2024 में भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन महिला वनडे मैचों की मेजबानी की। साथ ही वुमेंस प्रीमियर लीग 2025 के दौरान छह मैचों की मेजबानी की है। वडोदरा ने दिसंबर 2010 में रिलायंस स्टेडियम में अपना आखिरी पुरुष अंतरराष्ट्रीय मैच की मेजबानी की थी, भारत-न्यूजीलैंड एकदिवसीय मैच की मेजबानी की थी। वर्तमान भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर उस मैच में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। उन्होंने शतक बनाया था और विराट कोहली ने नाबाद 63 रन बनाए थे।

चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल पहली बार आमना-सामना

न्यूजीलैंड को 2025-26 भारत दौरे पर तीन वनडे और पांच टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की जीत के बाद दोनों टीम पहली बार आमने-सामने होंगी। वडोदरा के बाद टीमें गुजरात में रहेंगी। राजकोट में 14 जनवरी को दूसरा वनडे मैच खेला जाएगा। इसके बाद 18 जनवरी को इंदौर में

वनडे सीरीज समाप्त होगी।

यहां खेली जाएगी टी-20 सीरीज

मध्य-भारत में स्थित नागपुर (21 जनवरी) और रायपुर (23 जनवरी) पहले दो टी20 मैचों की मेजबानी करेंगे। इसके बाद टीमें दौरे के समापन के लिए दक्षिण की ओर जाने से पहले पूर्व की ओर बढ़ेंगी। गुवाहाटी (25 जनवरी), विशाखापत्तनम (28 जनवरी) और तिरुवनंतपुरम (31 जनवरी) तीसरे, चौथे और पांचवें टी20 मैचों की मेजबानी करेंगे।